



७१८१

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई विल्सो, शनिवार, मई 9, 1981 (वैशाख 19, 1903)

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1981 (VAISAKHA 19, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपन्नक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० एस-14/74-प्रशासन-5—डा० (मिस)एस० शिवाराम,
उप-निदेशक, केन्द्रीय न्याय-बैंधक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली दिनांक 31-3-1981 (भपराह्न) से
स्वेच्छापूर्वक सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त हो गई।

दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ए-19036/22/78-प्रशासन-5—बिहार पुलिस से
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री
एम० एच० खान की सेवाएं दिनांक 6-4-1981 (भपराह्न) से
बिहार राज्य को वापस सौंप दी गई।

दिनांक 20 अप्रैल 1981

सं० ए-19021/3/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद
से श्री के० चक्रवर्ती, भारतीय पुलिस सेवा (गुजरात-1965)

1—56GII/81

को दिनांक 15-4-1981 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर बेन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरो के विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के
पद पर नियुक्त करते हैं।

ष्ट० स्ट० प्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्थ०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 अप्रैल 1981

सं० ओ० दो०-1444/79-स्थापना—महानिदेशक बेन्द्रीय
रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफतेखारनिसा बेगम को
28-3-1981 के पूर्वा से केवल तीन माह के लिए अथवा उस
पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस
तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ विधित्वा अधि-
कारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त विया है।

सं० ओ० दो०-1574/81/स्था०—राष्ट्रपतिजी, श० टी०
के० विजयमार्थी को ग्रस्थाई रूप से ग्रामामी ग्रादेश जारी होने सक
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ब्यूटी आफिसर मेड-II (डी०

(6115)

एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1575/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) साधना गुप्ता को 1-4-81 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इन में जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ओ० दो०-1576/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० शैलेन्द्र शर्मा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी०डी०ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी० कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30-3-81 के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1069/77-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II) डा० (कुमारी) कौशलया चन्द्राभान जी थेस्कर, युप सैन्टर-II केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अजमेर, को केन्द्रीय चिकित्सा (अस्थायी संवाद नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नौटिम की समाप्ति पर दिनांक 14 मार्च 1981 अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

सं० ओ० दो०-1573/81-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आर० वे० खड़ेलवाल भारतीय पुलिस सेवा (यू० पी० 1953) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक (हेडक्वार्टर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री खड़ेलवाल ने महानिरीक्षक (हेडक्वार्टर) का कार्यभार दिनांक 3-4-81 (पूर्वाह्न) से संभाला।

ए० के० सूरी

सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ई० 16016/2/70-कार्मिक—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री एस० डी० शर्मा ने 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से महानिदेशक, के०ओ०सु०ब० नई दिल्ली के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय

महानिदेशक/के०ओ०सु०ब०

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 5 मई 1981

सं० 23/3/81-सी० पी० आई०—मार्च 1981 में औद्योगिक अधिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1981 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 420 (चार सौ बीस)

रहा। मार्च, 1981 माह का सूचकांक 1949=100 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 510 (पाँच सौ दस) आता है।

ए० एस० भारद्वाज
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(अर्थ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 99/ए—महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड इसके द्वारा श्री टी० व्ही० उल्हनन् को 28 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से 6 महीने के लिए तदर्थ रूप में अर्थव्यवस्था यह पद नियमित रूप से इसके पहले भरा जाए तब तक के लिए सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० III/ए०—श्री एस० आर० शर्मा की दिनांक 28-3-81 से क्रय अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियुक्ति की जाती है।

पी० एस० शिवराम

महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूति कारगञ्ज कारखाना

होणगांवाद, दिनांक अप्रैल 1981

सं० 7(52)/482—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक 7(52)/7564 दिनांक 15 अक्टूबर, 19 के क्रम में श्री पी० के० शर्मा के लिए अधिकारी के पद पूरकी रूप से तदर्थ नियुक्ति की अवधि 27-2-81 या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाता, इनमें जो भी दृढ़ते हो, तक बढ़ाई जाती है।

ग० रा० पाठक

मद्रासप्रबन्धक

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ई०एस०टी०१-१-२(452)/966—इस कार्यालय के अग्र वस्त्र आयुक्त श्री एस० मदुरै नायगम सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

ए० स० सुवर्णा

वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० सी०ई०आर०/17/81—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 20 तथा खंड 21 के उपखंड (5) में प्रदत्त जाकियों वा प्रयोग करते हुए मैं, एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/17/79 दिनांक 29 जून, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में पेरग्राफ (2) के नीचे के परंतुक के बाद निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“ओर बगर्वे कि विशिष्ट तिमाही को लागू होने वाली है कि यार्न पेक करने संबंधी बाध्यता, जिस तिमाही को बाध्यता लागू होती है उसके बाद के माह की समाप्ति के पूर्व पूरी को ज्ञा सकती है।”

सं० 5(2)/81/सी०एल०बी०-II—कृत्रिम रेशम वस्त्र (उत्तरादन तथा वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 3 (बी) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 5(2) 79/सी०एल०बी०-II दिनांक 12 जुलाई, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पेरग्राफ (2) में स्पष्टीकरण एक के पहले निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

बगर्वे कि विशिष्ट तिमाही को लागू होने वाली है कि यार्न पेक करने संबंधी बाध्यता, जिस तिमाही को बाध्यता लागू होती है उसके बाद के माह की समाप्ति के पूर्व पूरी को ज्ञा सकती है।

म० वा० चेबुरकर
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

(उद्योग मन्त्रालय)

श्रीशोगिक विकास विभाग
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 12/394/63-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपतिजी, श्री एम० के० मुख्यर्जी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (मेट्रज फिनिशिंग) को दिनांक 10 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से आगे आदेशों तक शाखा, लघु उद्योग सेवा संस्थान, वाराणसी में उप-निदेशक (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12/690/71-प्रशासन (राज०) : राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्री एन० के० मजूमदार, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (श्रीशोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 21 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से आगे आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में ही उप-निदेशक (नियंता संबद्ध) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० १८-19018/118/73-प्रशासन (राज०) :—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री एम०एम० आहूजा, सहायक निदेशक, ग्रेड- (इलेक्ट्रोनिक्स) को दिनांक 26 मार्च 1981 (पूर्वाह्न) से आगे आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में उप-निदेशक (इलेक्ट्रोनिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० : 12/709/72-प्रशासन (राज०) :—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग विकास संगठन के श्री एस० मुन्दराम राजन, उप-निदेशक (यांत्रिक) को आई०ट००ई०सी० कार्य-

कम के अधीन तंजानिया सरकार के शासनाधीन प्रतिनियुक्ति से बापसी और उनकी छूटी समाप्त होने पर, उन्हें दिनांक 3 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से हैंड टूल इन्स्टीट्यूट, शालन्धर में निदेशक, ग्रेड-2 (यांत्रिक) के रूप में सदर्ध आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी०सी०राय
उप-निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

सं० ई-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11(7) में श्रेणी 3 प्रभाग 1 के अधीन “सॉलिमक्स” प्रविष्टि के पश्चात “विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31-3-1981 पर्यन्त विनिर्माण एवं क्षेत्र अभियोग हेतु” हटाया जाये।

दिनांक 13 अप्रैल 1981

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11 (7) में श्रेणी 3 वर्ग 1 के अधीन प्रविष्टि “वेल ब्लास्ट जीलेटीन” के पश्चात, विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र अभियोग हेतु 31-3-1981 तक हटाया जाये।

दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11 (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन—

- (1) प्रविष्टि “डायनेक्स-1” “31-3-1981” में अंकों के स्थान पर “31-3-1982” अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।
- (2) प्रविष्टि “डायनेक्स-सी” “31-3-81” में अंकों के स्थान पर “31-3-82” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे, तथा
- (3) प्रविष्टि “सालवेजपैक” “31-3-1981” में अंकों के स्थान पर “31-3-1982” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत लाल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

(इस्पात और खान मन्त्रालय)

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 9 अप्रैल 1981

सं० ई-1-18(16)/79 भाग I—अधिवार्षिकी की आयु को प्राप्त होने पर श्री दिलीप कु० दास गुप्ता, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

एस० के० बसु
उप लोहा एवं इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 2026बी/ए-19012(3-झार्खार)/80-116बी—श्री ईंवर रावको सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22-1-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2050बी/ए-19012(के० सी०)/80-19बी—श्री के० चिन्तुस्वामी को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेदन होने तक, 11-2-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2063बी/ए-19012/3-झार डी०बी०/80-19बी—श्री रामधन बैरवा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-इ०-रो०-35-880-40-1000-इ०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 17-1-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1981

सं० ए-19011(272)/80-स्था०-ए—संघ लाक सेवा आयोग की सिकारिश पर राष्ट्रपति श्री संजीवन रे को दिनांक 5-2-81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहूर्ष नियुक्ति प्रशान करते हैं।

एस० बी० अलौ
कायलिय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 13 अप्रैल 1981

सं० स्था०-I 5708/881-अधिकारी—इस कायलिय को अधिसूचना संख्या स्था०-I-5673/881-अधिकारी दिनांक 8 दिसम्बर, 1980 में आंशिक संशोधन करते हुए डा० (श्रीमती)

सुनीता नन्दवानी, एम०बी०बी०-एस० जिन्हें ज्योर्डीय एवं अनुसंधान शाखा डिस्पेन्सरी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में सामान्य सिविल सेवा प्रूप 'बी' पद पर महिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 6-11-80 (पूर्वाह्न) से 1155 रु० (कुल मिलाकर) प्रति माह वेतन पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर नियुक्त विया गया था, अब, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पव संख्या ए-12026/12/78-सी०एच०एस०-I दिनांक 27-1-1981 के अनुसार 650-1200 रु० के नियमित वेतनमान में 650 रु० वेतन एवं प्राइवेट प्रेक्षित न करने के भूते सहित सभी प्रकार के भूते पाने की हकदार है।

दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० सं-5709/718-ए—श्री एम० सी० आनन्द, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कायलिय, को श्री के० जी० भट्टाचार्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो 28 फरवरी, 1981 (अपराह्न) को सेवाकाल की समाप्ति पर सेवानिवृत हो गये हैं, के स्थान पर, प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०सि०से० युप "बी") के पद पर 840-40-1000-इ०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
मेझर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 29-16/77/स्था०—निम्नलिखित क्षेत्र अधिकारी एवं वरिष्ठ अनुसंधान सहायकों की राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में उनके सामने उल्लिखित तिथि से, अवर-तकनीकी अधिकारी के पद पर पूर्ण रूप से अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर अन्य आदेश न मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

नाम	नियुक्ति-तिथि
क्षेत्र अधिकारी:	
1. श्री एस० एन० शेनॉव	10-4-1981 (पूर्वाह्न)
वरिष्ठ अनुसंधान सहायक:	
1. श्री लालता राम	10-4-1981 (पूर्वाह्न)
2. श्री पत्तू राम	10-4-1981 (पूर्वाह्न)

दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 35-2/80-स्था०—भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण

संगठन का अधिकूचना क्र० 35-2/80/स्था० दिनांक 24-2-81, जो भारत के राजत्र में प्रजाशित होनी थी, में कृष्ण पौरा 3 को नामदाता पंक्ति में “वैज्ञानिक अधिकारी” और “सेलागू” के बाच में “राष्ट्रीय एटलस एवं धर्मेटिक मानविक्वन संगठन में पूर्ण रूप से अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर” पढ़े।

एस० प०० वासुपूत्रा
निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० ५ (2768-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० वी० राव चौधरी, प्रमारण निष्पादक विज्ञापन प्रशारण से ए, आकाशवाणी, हैदराबाद को आकाशवाणी, हैदराबाद में १ अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रशारण मंत्रालय
(प्रकाशन विभाग)
नई दिल्ली-१, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० ए-12025/2/79-प्र-१—इस विभाग के अधिकूचना संख्या ए-12025/2/79-प्रशासन-१, दिनांक 20-12-1980 के क्रम में निदेशक, प्रकाशन विभाग केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंधों के स्थानापन्न सहायक श्री कुलानन्द की 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०-रो०-1200 रुपये के बेतनमान में तदर्थ आधार पर सामान्य प्रतिनियुक्ति सेवा-शर्तों पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 31 अगस्त, 1981 तक 6 माह के लिए जारी रखते हैं।

उपर्युक्त तदर्थ आधार पर नियुक्ति श्री कुलानन्द को हिन्दी अधिकारी के ग्रेड में वरीयता का हक प्रदान नहीं करती।

एम० एम० ब०० एस० जैन
उप-निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० ए० 31013/5/80(जे०आई०पी०) प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० राम० कृष्णन् को 26 दिसंबर, 1979 से ज्वाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पालिचेरे में जीव रसायन विज्ञान के प्रोफेसर के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

तिलोक चन्द्र जैन
उप-निदेशक, प्रशासन

दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ए० 12016/४०-प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी शिखा खेडा को 16 मार्च, 1981 से 16 मई, 1981 तक 62 दिनों की अवधि के लिए सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में आहारविद् (डाइटीशियन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/3/80-(मुख्या०)/प्रशासन-१—राष्ट्रपति ने, श्री आर० सी० कुमार को 23 मार्च, 1981, को दूरवाह्नि से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपवास्तुविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह
उप-निदेशक, प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० पीए०/81(12)/80-आर-४—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० ५ में अंकित तिथि से अग्रिम आदेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	स्थायी पद यदि उसपर नियुक्त हों	स्थानापन्न नियुक्ति	दिनांक
1	2	3	4	5
1.	श्री शंकर वारियर कृष्ण प्रसाद	.	वै०सहा० (सी)	1-८-८० (पूर्वाह्नि)
2.	श्री कनीसरिल शंकरन कुट्टी	.	वै०सहा० (सी)	-वही-
3.	श्रो माधव प्रभाकर कुलकर्णी	.	वै०सहा० (बी)	वै० सहा० (सी)
4.	श्री सुरेशचन्द्र भास्कर वेदक	.	-वही-	-वही-
			-वही-	-वही-

1	2	3	4	5
5.	श्री जॉर्ज थॉमस	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी०)	1-8-80 (पूर्वाल्प)
6.	श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता	—वही—	—वही—	—वही—
7.	श्री श्रीकृष्ण नारायण केरकर	—वही—	—वही—	—वही—
8.	श्री कोलेगलम विश्वनाथन जयधंदन	—वही—	—वही—	—वही—
9.	श्री प्रमोद शिवाजीराव मोहिते	वै०सहा०(सी)	—	—वही—
10.	श्री जैकब जैन	वै०सहा०(ए)	वै०सहा०(सी०)	—वही—
11.	श्री राजाराम गोपालराव हेमके	ट्रै०मैन(एफ)	वै०सहा०(सी)	—वही—
12.	श्रीमती नागलक्ष्मी बालसुब्रमण्णन	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	—वही—
13.	श्री कोचककन एब्राहम प्रकाश	—वही—	—वही—	—वही—
14.	श्री वदककोट चाको जॉर्ज	वै०सहा०(ए)	—वही—	—वही—
15.	श्रीमती सरस्वती पद्मनाभन	वै०सहा०(बी)	—वही—	18-8-80 (पूर्वाल्प)
16.	श्री हरेश्वर [हरसुख] राम श्रोक्षा	—वही—	—वही—	1-8-80 (पूर्वाल्प)
17.	श्री तरनजीत सिंह सोहल	ड्रॉ०मैन(सी)	—	—वही—
18.	श्री कोचुपरांपिल कृष्णन सोमराजन	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	11-8-80 (पूर्वाल्प)
19.	श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी	—	वै०सहा०(बी)	1-8-80 (पूर्वाल्प)
20.	श्री चौककनाथपुरम् वैंकटरामन सुब्रमण्णम	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	—वही—
21.	श्री रमेशन्द्र अनंत अंगारीकर	ड्रॉ०/मैन(सी)	—	—वही—
22.	श्री वत्तेश्वाथ दिवाकरन नायर	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	—वही—
23.	श्री पुत्तेनमदोम कृष्णनकर्ता राजगोपालन	—वही—	—वही—	—वही—
24.	श्री ध्रोकार तुकाराम कोलहे	सहा०फोरमैन	—वही—	—वही—
25.	श्री परमेश्वरनचारी शिवदासन आचारी	वै०सहा०(बी)	—वही—	—वही—
26.	श्री पलप्पापरांबिल मुरलीधर	—वही—	—वही—	—वही—
27.	श्री निर्मल स्वामीदास जगेसिया	वै०सहा०(सी)	—	—वही—
28.	श्रीमती चारू शरद नाइक	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	—वही—
29.	श्री रवीन्द्र गोविन्द पंडित	—वही—	—वही—	—वही—
30.	श्री वसंत शंकर आगामे	ड्रॉ०/मैन(बी)	ड्रॉ०/मैन(सी)	—वही—
31.	श्री चन्द्रमोहन खन्ना	—	वै०सहा०(बी)	—वही—
32.	श्री रामचन्द्र नाथ वाणी	ड्रॉ०/मैन(बी)	ड्रॉ०/मैन(सी)	—वही—
33.	श्री शान्ताराम तुकाराम राऊत	सहा०फोरमैन	फोरमैन	—वही—
34.	श्री श्यामसुन्दर विश्वनाथ कानेटकर	ड्रॉ०/मैन(बी)	ड्रॉ०/मैन(सी)	—वही—
35.	श्री जैन सैम्सन उप्पिन	सहा०फोरमैन	फोरमैन	—वही—
36.	श्री कपल देव सिंह	—वही—	—वही—	—वही—
37.	श्री चतर सिंह चावला	—वही—	—वही—	—वही—
38.	श्री विश्वनाथ हरिद्वा पाटील	ट्रै००/मैन(ई)	ट्रै००/मैन(जी)	—वही—
39.	श्री कृष्ण चौवडप्पा दावागिन	वै०सहा०(बी)	वै०सहा०(सी)	—वही—
40.	श्री विनोद कुमार दत्ता	—वही—	—वही—	—वही—
41.	श्री कावरी शंकर वर प्रसाद	वै०सहा०(ए)	—वही—	—वही—
42.	श्री दत्तात्रेय शेषागिरी दिवाकर	वै०सहा०(बी)	—वही—	—वही—
43.	श्री अशोक कुमार गोकुलदास रोरा	—	—वही—	—वही—
44.	श्री रामसे गोमेस	सहा०फोरमैन	फोरमैन	—वही—
45.	श्री त्रिवंक विण्ण धर्माधिकारी	—वही—	—वही—	—वही—

1	2	3	4	5
46.	श्री नरेन्द्र कुमार चड्ढा	वै०सहा० (सी)	फोरमैन	1-8-80 (पूर्वाल्क)
47.	श्री रामबिलास रामधन सेवक	सहा० फोरमैन	—	—वही—
48.	श्री कोवेलिल अब्राहम सैमुअल	—	वै०सहा० (सी)	—वही—
49.	श्री दत्तात्रेय गजानन देशपांडे	—	—वही—	—वही—
50.	श्री मोहन वैकटेश लोकपुर	—	—वही—	—वही—
51.	श्री सुभाष बालकृष्ण शिरांवकर	—	—वही—	—वही—
52.	श्री बेकल प्रभाकर राव	वै०सहा० (सी)	—	—वही—
53.	श्री थंडलम गुहस्वामी राममोहन	—	फोरमैन	—वही—
54.	श्री श्याम रामचन्द्र सखरानी	—	वै०सहा० (सी)	—वही—
55.	श्री वेलु थांगवेलु राजेन्द्रन	—	—वही—	—वही—
56.	श्री श्रीपाद राधोबा रेळकर	ड्रा०/मैन (बी)	ड्रा०/मैन(सी)	—वही—
57.	श्री शंकर गुलाबराय भोर	—वही—	—वही—	—वही—
58.	श्री वरधाचरिर विजयराधवन	—	वै०सहा० (सी)	—वही—

सं० पीए/81(12)/80-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र वी०ई०सी० के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० पद पर 1 प्रगति, 1980 पूर्वाल्क से अग्रिम आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	स्थायी पद, यदि उस पर नियुक्त हों	स्थानापन्न नियुक्ति
1	2	3	4
1.	श्री दुर्गा प्रसाद दास	सहायक फोरमैन	फोरमैन
2.	श्री गन्ती सूर्यनारायणमूर्ती	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)

कार्मिक प्रभाग

दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० पी०ए०/79(II)/79 आर III—मद्रास परमाणु विद्युत प्रयोजन से स्थानान्तरित होने पर श्री एन० वी० रमण, सहायक कार्मिक अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी पद का कार्यभार 26 मार्च 1981 पूर्वाल्क से संभाल लिया है।

ए० शान्ताकुमारा मेसोन,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग
विद्युत प्रयोजन इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 8 अप्रैल 1981

सं० विप्राइप्र/3 (262)/78-प्रशासन 4598— निदेशक, विद्युत प्रयोजन इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई एलद्वारा उस प्रभाग के एक स्थायी वैज्ञानिक सहायक एवं स्थानापन्न आशूलिपिक III श्री के०जी० वामवानी को० अप्रैल, 6, 1981 के पूर्वाल्क से 16 मई, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं यह नियुक्ति महायक कार्मिक अधिकारी

श्री वी० वैणुगोपालन के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

ब० वि० थत्ते,
प्रशासन अधिकारी

क्य एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० टी०पी०एम०/2/15/80-स्थापन/8487—निदेशक क्य एवं भंडार निदेशालय श्री वि० दंडपाणी स्थायी भंडारी को प्रभारी सहायक भंडार अधिकारी पद पर रूपये 650-30 740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000 -ई०बी०- 40-1200 के बेतन क्रम में अस्थाई रूप से दिनांक मार्च 1, 1981 पूर्वाल्क से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

क० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०पी०पी०, दिनांक 28 मार्च 1981

सं० टी०पी०पी०एम०/1/34(1)/76-आर०(खण्ड-I)—
मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु उर्जा

विभाग अधीकारी/वित्त स्थानापन्थ वैज्ञानिक सहायक (सी) को तालापुर परमाणु बिजलीघर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस०बी० के पद में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता एस०बी० के रूप में नियुक्ति की तारीख
-------------	-----	---

1	श्री ज० एस० नाइक	1 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न)
2	श्री एच० एन० कंसारा	26 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न)

द० कि० मरकले
प्रशासनिक अधिकारी-III

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

ई-I अनुभाग

दिनांक 16 अप्रैल, 1981

सं० ए० 35017/1/81-ई०—राष्ट्रपति ने श्री भवार्मी मल, भारतीय पुलिस सेवा (राज० 1950) की नागर विमानन विभाग में निदेशक नागर विमानन सुरक्षा के पद पर प्रतिनियुक्ति का अवधि रु० 2500-125/2-2750 के वित्तमान में दिनांक 27-11-79 से 26-11-81 तक दो वर्ष के लिए और बढ़ा दी गई है।

दिनांक 31 मार्च, 1981

सं० ए० 32013/3/80-ई०—I—राष्ट्रपति ने श्री व० एन०एस० शृणन को दिनांक 23-11-80 के बाद आगे छः मास की अवधि के लिए अवधि येड में नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में निदेशक विभाग नियोग के ग्रेड में तद्यं आधार पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुटा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० ए०-32013/11/79-ईसी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर छः सास की अवधि के लिए तदर्थं आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्र०सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तिथि
1. श्री एस० क० शर्मा	.	वैमानिक संचार स्टेशन पालम	वैमानिक संचार स्टेशन पालम	20-3-81 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर०क० सिंगला	.	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	23-3-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-38013/1/81-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवारन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और स्टेशन से, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्र०सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1. पी०क० दत्ता-I, संचार अधिकारी		वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	28-2-81 (अपराह्न)
2. एस० मधु, सहायक संचार अधिकारी		वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	28-2-81 (अपराह्न)
3. ए० जगदीशन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी		वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	31-3-81 (अपराह्न)

1	2	3	4
4. ई०श्वार० शेषाद्रि		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी			
5. एम०एस० मेनन,		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)
सहायक संचार अधिकारी			
6. एन०टी० वजीरानी		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)
सहायक संचार अधिकारी			

वी० जयचन्द्रन
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 15/115/81-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के आगे अंकित दिन से, आगामी आदेशों तक, सहायक अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थाई तथा स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	पद	अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1. पी० के० भट्टाचार्य	सहायक क्षेत्रमिति अधिकारी (तदर्थ)	28-1-81	(पूर्वाह्न)
2. पी० एस० पवाल	अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग	28-1-81	(पूर्वाह्न)
3. आदर्श कुमार	—वही—	28-1-81	(पूर्वाह्न)
4. बी० के० जैन	—वही—	28-1-81	(पूर्वाह्न)
5. डी० डी० एस० नेगी	—वही—	28-1-81	(पूर्वाह्न)
6. डी० के० जैन	—वही—	9-2-81	(पूर्वाह्न)
7. आर० सी० मित्तल	—वही—	16-2-81	(पूर्वाह्न)

राजत कुमार
रजिस्ट्रार

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहितालय

नागपुर, 440001 दिनांक 28 फरवरी 1981

सं० 1/81—इस समाहर्ता क्षेत्र के (प्रबरण श्रेणी) निरीक्षक श्री एम० जे० ठाकरे की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्तती होने पर उन्होंने दिनांक 9 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न में, श्री आर० बी० लेल, जिनका स्थानांतरण हुआ है, को कार्यभार मुक्त कर, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज, भांडारा के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किया।

के० शंकररामन
समाहर्ता

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०II/3ई-6/80—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्तति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय 2-56GI/81

बम्बई II में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है :—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3
1.	श्री एम० आर० मुलगे	26-12-1980 अपराह्न
2.	श्री बी० एम० कुरुप	18-12-1980 पूर्वाह्न
3.	श्री एम० डी० मावंत	3-1-1981 पूर्वाह्न
4.	श्री प० के० आय० जमादार	12-1-1981 पूर्वाह्न

१	२	३
५. श्री ए०डी०शाह	५-१-१९८१	
	अपराह्न	
६. श्री के० छ्वी०लाल	३१-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
७. श्री टी०ए० चौधरी	२७-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
८. श्री आर० एम० जौथी	३१-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
९. श्री के० एम० पोतदार	१-१-१९८१	
	अपराह्न	
१०. श्री छ्वी० टी० चौबे	३०-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
११. श्री एम०पी० उचगांवकर	१६-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
१२. श्री एम०ए० नाथर	१६-१२-१९८०	
	पूर्वाह्न	
१३. श्री आर०छी०गिंदे	१४-१-१९८१	
	अपराह्न	
१४. श्री छ्वी० आरपोल	७-१-१९८१	
	पूर्वाह्न	

सं०-II/३ई-६/८०—श्री एन० एन० नाथानी, कार्यालय अधीक्षक ने पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय बम्बई-II में प्रशासनिक अधिकारी वर्ग “ख” के रूप में ३१-१-१९८१ पूर्वाह्न में कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० II / ३ई-६ / ८०—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय, बम्बई-II के निम्नलिखित समूह “ख” के राजपत्रित अधिकारी, (अधीक्षक/प्रशासनिक अधिकारी अधिवायिक आधार पर उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
१.	श्री छ्वी० डल्लू० चिमोटे, अधीक्षक	३१-१-१९८१
२.	श्री छ्वी० डी० काले, अधीक्षक	२८-२-१९८१
३.	श्री एम०ए० जेठम, प्रशासनिक अधिकारी	२८-२-१९८१
विजय कुमार गुप्ता		
समाहृता		
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-II		

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक १८ अप्रैल १९८१

सं० १/८१/फा० सं० १/१२२/२०/७८—ओ०एम०एस०—
संगठन और प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधिकारी श्री सांवल दास चांदबानी, जो अतिरिक्त सद्व्यायक निदेशक के पद पर तैनात थे दिनांक

३१ मार्च, १९८१ के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० जे० रामन्
निदेशक

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

उर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

घनबाद-८२६००३, दिनांक ६ जनवरी १९८१।

सं० प्रशासन ५(७)७१—कोयला खान कल्याण कार्यालयीजन नं० १ के स्थानापन्न कार्यपालक अभियंता श्री डी० दसा को तारीख १३-१०-६७ से सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर स्थायी किया गया।

दिनांक १४ अप्रैल १९८१

सं० पी० ८(२५)६७—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली १९४९ के नियम ५ के उप-नियम (१) (ए) में दिये गये अधिकारों का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् डारा श्री एस० के० चौधरी, महाप्रबन्धक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, घनबाद को श्री ओ० महीपति तत्कालीन निदेशक (पी) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, घनबाद के स्थान पर वित्तीय उप-समिति का सदस्य नियुक्त करती है जिसका गठन अधिसूचना संख्या पी० ८(२५)६७ दिनांक २३-१२-७५ एवं दिनांक २०-३-१९७९ की अधिसूचना में किये गये उत्तरव्यतीर्त संशोधन में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती हैः—

“क्रम संख्या ३—श्री ओ० महीपति निदेशक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड कार्मिक भवन घनबाद के स्थान पर श्री एस० के० चौधरी, महाप्रबन्धक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, घनबाद” प्रतिस्थापित किया जाए।

दामोदर पण्डा
कोयला खान कल्याण श्रायुक्त
घनबाद

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक प्रैल १९८१

सं० ए-१९०१२/८९३/८१-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस०के० नामबूरी, अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग द्वारा सरकारी सेवा से दिये गए

त्वयगपत्र को 26-3-1981 की अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

ए० भद्राचार्य
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 602/31/81-प्रशासन--प्रधिसूचना संख्या 608/168/80-प्रशासन दिनांक 23-2-80 के सिलसिले में निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, एतद्वारा श्री राम० ज०० फड०, लेड्रा प्रधिकारी की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 1-2-81 से 31-1-82 तक या जब तक इस पद की नियमित रूप से भर्ती किया जाता है याने इनमें से जो पहले होगा तब तक अवधि बढ़ाते हैं। इस नियुक्ति की बाकी सभी शर्तें उपर्युक्त प्रधिसूचना में लिखी गई हैं वही रहेंगी।

सं० 608/180/81-प्रशासन--संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली से किये गये वयन के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, पुणे-411024, श्री अमरीक सिंह गुरु को सहायक अनुसंधान प्रधिकारी (शास्त्रीय गणित) के पद पर रुपये 650/- प्रति माह बेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 28 मार्च, 1981 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

श्री अमरीक सिंह गुरु के लिए 28 मार्च, 1981 (अपराह्न) से दो साल परिवीक्षावधि होगी।

एम० आर० गिडवानी
प्रशासन प्रधिकारी
कृते निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेख कुटी (वैस्ट) लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29794/560(5)-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख कुटी (वैस्ट) लिमिटेड ना नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेख कुटी लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29793/560(5)-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख कुटी (वैस्ट) लिमिटेड ना नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पारेख कुटी (नार्थ) लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29795/560(5)-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा कुटी (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख कुटी नार्थ का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० बि० बिस्वास
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गुजरात आंफसेट वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०/2420/560--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मैसर्स गुजरात आंफसेट वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स साउथ गुजरात टंडले ब्रेसर्स शिपिंग डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०/1694/560--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स माउथ गुजरात टंडेल ब्रदर्स शीपिंग डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर के काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी, अधिनियम, 1956 और मेसर्स गुजरात मर्चन केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०/560/1994—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स गुजरात मर्चन केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज़ रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

क्षी० बाय०राणे
सहायक प्रमंडल पंजीयक गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स गोवा एंग्रेनेटेड वाटर्स प्राईवेट

लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 196/जी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स गोवा एंग्रेनेटेड वाटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज़ रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एल० गनविर,
कंपनियों का रजिस्ट्रार
गोवा, दमण और दीव

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ब्रिलियेट रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 5029/860(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्रिलियेट रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और महदमलै बम ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेट के विषय में
मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 5595/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर महदमलै बम ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० आर० बी० वी बम सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 4074/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० आर० बी० बम सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास आयुर्वेदिक स्टोर्स (सी०बी०ई०) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 1566/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मद्रास आयुर्वेदिक स्टोर्स (सी०बी०ई०) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नलन एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 1878/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नलन एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जवाहर चिट फण्ड प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5750/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जवाहर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रिम प्रिंटिंग एण्ड ग्राफिक इकिवपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5844/560(3), 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रिम प्रिंटिंग एण्ड ग्राफिक इकिवपमेंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अल्कोकूर होटल (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5997/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अल्कोकूर होटल (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री अनुसूय चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 6012/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री अनुसूय चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकूल का दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एच० बनर्जी
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर एवं
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेटवून मेरेन एन्टरप्राइजेस में प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 6146/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेटवून मेरेन एन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर एवं
तमिलनाडु

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, दिनांक 5 मई 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/142/80-81/827—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना जो भारत के गजपत्र, भाग III, खण्ड 1 के पृष्ठ 5628 पर सप्ताहान्त अप्रैल 25, 1981 को प्रकाशित हुई है, “सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़” के स्थान पर “सैक्टर 37-बी चण्डीगढ़” प्रतिस्थापित किया जाए, जहाँ कहों भी अंकित हो।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रश्न नं. ८०० एवं ८०१—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल, 1981

निरेण सं. 533: अर्जन/गाजियाबाद/80-81—अतः
मुझे विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के पश्चात सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में
अधिक है।

और जिसका सं. ४३ एट द्वारा तथा जो बम्बे में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रेकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-४-८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है?—

(क) अन्तरण से हर किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उन्नतर
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
वायिक्तियोंवाले अधिनियम का अवतः—

1. म० पटेल घनश्याम दास एन्ड कं० प्रा० लि०
द्वारा आरटनीय श्री गोविन्द भाष्करन निवासी 1864/4
महालक्ष्मी मार्केट भागीरथ प्लेस गान्धी चौक देहली-110006
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता मालिक मार्डन पेपर प्रोडक्शन
निवास 54 न्यू गान्धी नगर गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तानी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित है,
वही पृष्ठ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अमृसूचा

एक किता प्लॉट नम्बर 10 स्थित आनन्द इन्डस्ट्रियल
स्टेट जी० टी० रोड़, ग्राम अरथाला पो० व तह० गाजियाबाद
जिला गाजियाबाद में स्थित है जिसकी बाजार मूल्य
3,11,120/- रु० और क्य मूल्य 2,20,000/- है।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 13-4-1981

मोहर:

प्रसूप शाई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट,
नई दिल्ली-220002

नई घट्टली, तारीख 15 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ज/एस० आर०-
III/8-80/1033—अतः मुझे, आर० बी० साल अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-39, है तथा जो कैलाश कालीनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अग्रत, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राह की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर वेने के अस्तरक के वायिव में
रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राह की वायिव में
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अधितियों, प्रथति :—

1. श्रा. ए० तेजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जसवान सिंह
आनन्द भवन, विविल लाईन, जालन्धर सिटी। (अन्तरक)

2. श्रोमती अमृत कौर धर्मपत्नी इन्द्र सिंह, श्रीमती इव बाल
हरचरण कौर धर्मपत्नी एस० गुरनाम सिंह, श्रीमती इन्द्रजीत कौर
धर्मपत्नी एस० बलवीर सिंह और श्रीमती अमृत पाल कौर
धर्मपत्नी जगाधर सिंह निवासी ए-31, कैलाश कालीनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एवलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाम: 508.5 अंगगज आधा पोरशन प्लाट नं०
ए०-39, कैलाश कालीनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-I

तारीख: 15-4-1981
मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ 1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निवेदण सं. आई० ए० मी०ए० १/पृष्ठ० १/पृष्ठ०

8-80/958—अतः मुझे, आर० बी० ए० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भूमि देवल में
स्थित है (ओर इसमें डपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के दीच पांच अन्तरण के लिए तद याया यथा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित गं. वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए तो छिपाने में
समिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥--

1. श्री जगी राम सुपुत्र श्री सीवर, एड्स्ट्रेड सुपुत्र
श्री फकीरा, ग्राम देवली, दिल्ली। (अन्तरक)

2. मेयर्स ग्रैनपार्क बिल्डर्स और प्रोमोटर्स, प्रा० लि०,
115-अन्तल बन 16-के० बी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरितों)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधाहेस्साक्षरी के
पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ हुएगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विधा, आर० बी० 19 बीष्वाम खमरा नं.
659 (1-19) ,ग्राम-देवली।

आर० बी० ए० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, दिल्ली—नई दिल्ली-1

तारीखः 15-4-1981

मोहरः

प्रस्तुत आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-
III/८-८०/९५७—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसमें सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देशी में
स्थित है (अंग्रेज इससे उपादान अनुदूती में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रफ्स्ट्रक्टरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रफ्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अग्रस, 1980

कर्ने पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

लक्ष: लक्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौ. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-56GI/81

1. श्री ईश्वर सिंह और दयानन्द स्वयं श्रीमती सही,
पत्नी श्री सीबा, श्रीमती राम मूर्ति और करत्तरी सुपुत्री
श्री सीबा, श्री मोहिन्दर सिंह और राजिन्दर सिंह सुपुत्र
श्री रघबीर सिंह, ग्राम देवली। (अन्तरक)

2. मेसर्स ग्रीनपार्क बील्डर्स और प्रोमोटर्स प्रा० लि०
115, अन्सल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नसूची

कृषि भूमि 3 बिधा और 13 बिधा, खसरा नं० 658
(2-12) और 670 (1-01), ग्राम-देवली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, I दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 15-4-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस० आर०-IJJ/
8-80/956—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसके सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से घण्ठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रनतरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह, भगत सिंह सुपुत्र श्री लाल चन्द, बलबीर सिंह, सुखराम सिंह और बलजीत सिंह सुपुत्र श्री सुधन, राजिन्दर सिंह, पुरन सिंह, तारा चन्द सुपुत्र श्री काली राम, सभी निवासी ग्राम देवली। (अन्तरक)

2. मै० ग्रोन पाकं बिल्डर्स और प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115-अन्सल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

कृषि भूमि, 6 विधा खपरा नं० 670/1, ग्राम-देवली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981
भोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,
इन्डप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस० 1/एस० आर०-
111/8-80/1034—ग्रन्त: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रतीक्षा तत्त्व प्राप्तिकारी को यदि विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति जिस हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० ए-39, है तथा जो कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके बाहर स्थानीय
करने का कारण है कि यथा पूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
(और/या)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य सास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, घर्षीत :—

1. श्री आनन्द भवन, सिवित लाईन, जलधर सिटी।
(अन्तरक)

2. श्रीमती अजित कौर पत्नी इन्द्र सिंह, श्रीमती हर-
चरन कौर पत्नी एल० गरनाम सिंह। श्रीमती इकबाल कौर
पत्नी श्री एस० अमरजीत सिंह। श्रीमती इदरजीत कौर
पत्नी एस० बलबीर तथा श्रीमती अजित पाल कौर पत्नी
श्री जंगहाँसुर सिंह, निवासी ए-3, कैलाश कालोनी, नई
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
संपाद होती है, के भीतर पूर्वांक अवित्यों में
से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा अधिकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि नाम—508.5 वर्ग गज, प्लाट नं० ए०-39
का आधा हिस्सा, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

शक्ति आई० टी० एन० एस० —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन, एवं ब्लाक हन्प्रस्थ स्टट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-
111/8-80/1061—अतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विषय करने का
कारण है कि स्थावर ममति, उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, ब्लाक "एम" है तथा
जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपरवर्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का नारा है कि यथापूर्वक ममति का उचित बाजार मूल्य
उपरके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय भी बाढ़त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बदले दें सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय सहायक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिराने में मुश्किल
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री राम कपूर सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगत नाथ कपूर,
और श्रीमती कैलाश कुमारी पत्नी श्री राम कपूर, एच-31,
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. कुमारी वक्ता शंकर, सुपुत्री श्री भवानी शंकर, 53,
गोलक लिंक, नई दिल्ली-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त ममति के अधीन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त ममति के प्रत्येक में कोई भी प्रश्न :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रदर्शिता तक संवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रबंधि
वाद में ममाल होनी हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत में
हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्नाक्षरी
के तास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपूर्णकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के मध्यात 20-क में
परिभासित हैं, उनी पर्याय होंगा जो उस
मध्यात में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10, ब्लाक नं० 'एम' भूमि क्षेत्र 163.05
वर्ग मीटर, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ एस० आर०-१११/
४.८०/१९२—अतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्रांधकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-279 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
11, नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीबर्ट अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:--

1. श्री मेंज. जगजीन निह अहवालया सपुत्र श्री हरविलास
राम स्थाई पता — आर० 25, ग्रेटर कैलाश, इन दिल्ली-118048
(अन्तरक)

2. श्रीमती धनुका पत्नी श्री बनवारी लाल धनुका
निवासी—ई-560 ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-110048
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-279, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-48,
क्षेत्र 409 वर्ग गज (534.5 वर्ग मीटर)

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्रसूत आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981
निर्देश सं० आर्द्ध० ए० सी०/एक्य० /१/एस० आर०-
111/8-80/1049—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-482, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11,
नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ए० डी० जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री श्रीबन्द जैन
ई-66, अन्तारी नगर, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री सत्य पाल अग्रवाल सुपुत्र श्री नानक चन्द,
श्रीमती ऊषा रानी अग्रवाल, पत्नी श्री सत्य पाल अग्रवाल,
ई-482, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितेवाद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

ग्रोपर्टी नं० 482, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-48,
क्षेत्र 550 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981।

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /१/एस० आर-
III/8-80/1048—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० सी-61, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री प्रेम दत्त शर्मा, सुपुत्र श्री यागा दत्त शर्मा,
जे-18, साकेत, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री सरदार मोहन सिंह सुपुत्र श्री सरदार रतन सिंह
सी-61, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सख्ता
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में रित-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० सी०-61, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली,
स्थापित 300 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एस० १/एस० आर०-
III/8-80/974—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 21, है तथा जो कार्मण्यल
काम्पलैंब्स जी० के०-11, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापद्धति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स डी० एल० एफ बिल्डर्स, 21-22, नरीन्द्रा
दोस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री अमनीक सिंह श्री प्यारा सिंह और श्री हरबंस
सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह, सी-38, एन० बी० एस०
ई०, भाग-11, नई दिल्ली-110042। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मान्यसूची

दूकान नं० 21, ग्राउण्ड फ्लोर कार्मण्यल काम्पलैंक्स,
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048, (धेत्र 651.22, 1
वर्ग फिट)।

ग्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

ओहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-
III/8-80/1935—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मेहरौली, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्मूल्य प्रतिशत
से प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिकी
(अन्तरिनियमों) के बोत ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण' लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/मा।

(ब) ऐसी फिसों अव या फिसों धन या अन्य अस्तियाँ,
को जि-है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस जाता वाहू था, छिपाने
में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचाय (11)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्याँ, अर्थात् :—

4—56GI/81

1. श्री देव प्रताप सिंह सुपुत्र श्री आई० पी० सिंह,
डी-48, हौज खास, नई दिल्ली द्वारा जनरल अटार्नी श्री
आई० पी० सिंह सुपुत्र श्री खेम चन्द, डी-48, हौजखास
नई दिल्ली, श्री एम० पी० सिंह सुपुत्र श्री आई० पी० सिंह,
डी-48, हौज खास, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरी किशन सानी सुपुत्र श्री लाला अमी चन्द
बिजय कुमार द्रेहन सुपुत्र श्री लाला शम्भु नाथ द्रेहन, अजय
कुमार द्रेहन, विनय कुमार द्रेहन सुपुत्र श्री शम्भु नाथ द्रेहन
सी 3/4, सफदरजंग बिकास एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया गुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या हस्तांतरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति आव में
समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पश्चि का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति हैं, वहीं
अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 14 बिहा, और 9 बिहा विश्वास,
एम० नं० 29, कीला नं० 11 (4-11) 12 (4-16)
13 (2-16), 26 (0-10), एम० नं० 30 कीला नं०
15/2 (1-16), स्थापित—मेहरौली—नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्राप्ति आई. टी. एन. एस. ——
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /I/एस० आर०-
 III/8-80/1160—अतः मुझे, आर० बी० ए०
 अग्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 58, है तथा जो ग्रीनपार्क,
 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1980
 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
 एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वाग्दात्र में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

1. श्री ईसर दास बैरी सुपुत्र श्री राधा किशन बैरी,
 ई-146, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री के० टी० थोमस, सुपुत्र श्री थोमस, एफ-58,
 ग्रीनपार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वयी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिहोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित है, वही जर्द होगा जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

मनूसूची

प्रोपर्टी नं० एफ०-58, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली।

आर० बी० ए० ए० अग्रबाल
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981
 मोहर:

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०--
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर०-
III/8-80/1099—प्रतः मुझे, आर० बी० ए० अग्रबाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
प्रधीन सभन् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है।

और जिसकी सं० एन-33, है तथा जो प्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से तुर्हि किसी आय की वादत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कर्त्ता
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अक्षियों, प्रथातः :—

1. श्रीमती टोषी बेरी, सन्जीव बेरी, बी० बैरी,
32-कोस रोड, बरेली कैट्ट, (उ० प्रदेश) वर्तमान पता—
एन-33, प्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

2. भेसर्स एम्बेलीकल लुधरन चर्च, मध्य प्रदेश,
लुधर भवन, ई० एल० सी०, छिन्दवारा, मध्य प्रदेश, द्वारा
प्रधिशासी सचिव श्री यु० कुमार।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मावन्य में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रधिकारी
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध निम्न अन्य अक्षित द्वारा प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा नकेंगे।

इन्हींकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० एन०-33, प्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली,
क्षेत्र 300 बर्ग गज।

आर० बी० ए० अग्रबाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-
II/8-80/1031—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 133-144, है तथा जो न्यू राजिन्दर
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्रीमती पातिया रानी, पत्नी श्री दीवाल करम
नराण, 141-142, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री देश राज सुपुत्र श्री मेला राम मदन और
श्रीमती हुणा मदन पत्नी श्री देश राज मदन, 16/73,
गली नं० 3, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षरेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सरकारी भवन मकान नं० 143-144, न्यू राजिन्दर
नगर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्य० 1/एस० आर०-
III/8-80/1012—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सदाम प्रार्थकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है
और जिसकी सं० एम०-149, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्या-
लय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण (अन्तरक में वास्तोवक
रूप से कीथित नहीं किया गया है):--

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जनः—

1. 1. श्रीमती कलास अग्रवाल और श्रीमती खीलावती
ए-1/22, सफदर जग इन्हें, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मेसर्सं संजीत कंस्ट्रक्शन I (दिल्ली) प्राइवेट लिमि-
टेड, एम०-103, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम०-149, 400 वर्ग गज (334.45
वर्ग मीटर), ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 15-4-1981
मोहरः

प्रारूप पाई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269 व(1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/एस० आर० III
/8-80/1040—प्रतः सुक्ष्म, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के पश्चीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
दे कि स्थान अप्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपाएँ ने अधिक है।
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो सुन्दर नगर
मार्केट, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोंपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभेद यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान उत्तिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह पतिका से भागक है और अन्तरक (अन्तरक)
आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तरा पाया गया उत्तिकर निष्ठानिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावृत्त प्रतिरितों द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)
के अधीन, निष्ठानिवित अक्षितियों, अवास् :—

1. डा० श्रीमती एम० बी० कश्यल पत्नी स्वर्गीय बी०
आर० कश्यल, पता—10, ईवल हो, 81, कैडील रोड़, महिम
बम्बई-400016, वर्तमान पता—कमल मेमोरियल हाल,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बाल किशन दास सुपुत्र श्री एल० नाथुराम
2, सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
जो यह सूचना जारी करके पूर्वोंपत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अपक्रितियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंपत अपक्रितियों में से
किसी अपक्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अपक्रित द्वारा, प्रधानमंत्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, दो मंजिला भवन अपार्टमेंट के साथ
नाप—1350 वर्ग फीट, सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली
में स्थापित।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रोड-J, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश मं० आई० ए० सं० /एक्य०/1/ग्रा० आर०-
III/8/80/1041—प्रतः मुझे, आर० बा० ए० अप्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसके मं० हिस्सा नं० 204, 2-मंजिल, है तथा जो
हो० ए० ए० एफ० हाउस नं० 40 (एफ०) में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनाट प्लेस, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छान्दोश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के पश्चात् के दायित्व
में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनाहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या निया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. मेसर्स डो० एल एफ यूनाइटेड लिमिटेड 21-22
नरेन्द्रा प्लैस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-11 (अन्तरक)
2. श्री राम कनवार, ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री रामस्वरूप
मैसर्स—रामस्वरूप, राम भगत, डॉ० सौ० ए० स्टोर सम्पला
मन्डी, रोहतक। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 204, 2रा मंजिल, भामने का हिस्सा डो०
ए० ए० एफ० हाउस, 40 ए० कनाट प्लैस, नई दिल्ली।
(क्षेत्र 492.35 वर्ग फिट)

आर० बा० ए० अप्रवाल
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टो० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वित्त विभाग (वित्त विभाग)

अर्जन रेंज I, दिल्ली—2

नई दिल्ली—220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० स०/०/एक्य०/१/एस० आर०—/III/८—८०/१०४३—अन्तः मुझे, आर० ब०० ए०८० अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विमद्दा उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसको सं० ९०/६७, है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली—१ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कायलिय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोब्र अगस्त, 1980 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से 'कूह' किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आक्षियों को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

1. श्री निहाल चन्द, ८-ई, सदर याना, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमति प्रतापाल कौर टड़डन और मारठर जसपाल
मिह टन्डन, ९०-६७, मालवीय नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तम्भमध्यी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त मात्रों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रार्टी नं० ९०-६७, मालवीय नगर, नई दिल्ली,
स्थापित—२०० वर्ग गज।

आर० ब०० ए०८० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली—१

तारंख: 15-4-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० स०/एक्य०/१/एस० आर०-
III/८-८०/१०४७—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उत्तरात् 'उत्तर प्रधिनियम' रुप गया है), की भारा 269-ए
के अन्तर निम्न प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का कारण
है नि-शास्ररत प्रधिनियम उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपया में अधिक है।

और जिसको सं० ई-86, है तथा जो एन० डो० एस०
ई०-१, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूचने में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टर कर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रेस्ट्रक्टरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पछह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तुशिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभुरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी छन या अन्य घास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म प्रस्तारित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

5—56 G1/81

1. श्री मोहन लाल, ग्राम और पोस्ट सुजान, तहसील-
नवान शहर, जिना-जलन्दर (वंजाब)। (अन्तरक)

2. श्रीमतो बोना अरोरा, सी/ओ-वी.साखा सिंह भवन,
ओसो रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी घटितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
घटितियों वें से किसी घटित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य घटित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 200 वर्ग गज, 2.5 डाई मंजिला भवन, ई-86
नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली-110049।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सम्म प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस० आर०-
III/8-80/1012—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ई-316, है तथा जो ग्रेटर कलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर्स प्राधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेक्टर करण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनीयम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हजूर मिह और श्रमतो सतनाम कौर, द्वारा
श्री हन्दर मिह, जो० पौ० ए० हाउस नं० 4351, रेहगर
पुरा, के० बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री एच० एम० बैन्द्रा, 25-रिंग रोड, लाजपत नगर
4, नई दिल्ली। (अन्तरितां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ई-316, ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली, क्षेत्र 250
वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्राम्यन रेज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० स०/एक्यू०/१/एस० आर०-
III/८०/१०५०—अतः मुझे, आर० ब०० एल० अग्रवाल,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व
के अधीन पञ्चन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० ब००-19, है तथा जो डिकेन्स कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन करण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिक्रिया से दुई हिसी ग्राम को बाबन, उक्त अधिनियम के प्रतीकरण के देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रो/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरितो द्वारा प्रहृष्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के मनुसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता संजागता मुरादा और श्री॒ श्याम मुरादा।
(अन्तरक)

2. मेसर्स कमिट्टी लिमिटेड। 19, आर० एन० मुख्यर्जी
रोड, कलकत्ता-700001। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
मर्यादा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भवन बो०-19, डिकेन्स कालोनी, नई
दिल्ली-110024।

आर० ब०० एल० अग्रवाल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्राम्यन रेज-1, दिल्ली-2

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्य०/1/एस० आर०-
II/8-80/1058—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ई-501, है तथा जो ग्रेटर कलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारंख अगस्त 1980
के पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापर्वांकित मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को,
जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संत राम सुपुत्र श्री एल० बुधराज, डी-80,
गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार सहगल सुपुत्र श्री एम० आर०
सहगल (1/3 सेयर), 2. श्रीमती कृष्णा नीरूला, पस्ती
श्री जे० सी० निहता (2/3 सेयर) दोनों का निवास स्थान
डी-289, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-501, थेट 248 वर्ग गज, ग्रेटर
कलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 268-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III

8-80/1060—अक्त: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
ठिक्स बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० ए०-1/62-93, है तथा जो सफदरजंग
इन्कलेव विकास योजना में रियत है (और [इससे उपावरु
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कायालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
मरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का फ़ल्ग्न है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
घरेलू से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कृयित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रा० विनोद राय गामी सुपुत्र श्री शांति लाल
गामी 23/3, हास्पीटल रोड, शक्ति नगर, दिल्ली-110007
(अन्तरक)

2. श्री उमा शंकर खन्ना सुपुत्र श्री जी० एस० खन्ना,
ए-1/56, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली-110016।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताभारी के पात
लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोहरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए-1/62-63, सफदरजंग इन्कलेव, विकास योजना,
नई दिल्ली-110016।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंन रेज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
8-80/6862—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रद्वाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 141 न्लाक नं०-1, है तथा जो
किती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थान प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमती जगदीश कौर पत्नी श्री कहन सिंह, 1/141,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर लाल जय लाल, श्री सुरिन्दर कुमार
श्री हरीश कुमार सुपुत्र श्री बक्शी राम, ज-32, कीर्ति नगर
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोक्तरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 141, ब्लाक नं० 1, थोक्फल 200 वर्ग-
गज, स्थापित कीर्ति नगर, नई दिल्ली, ग्राम-बसई दारापुर
दिल्ली।

आर० बी० ए८० अग्रद्वाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्राप्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कर्त्तव्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981]

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर०-1/
8-80/6861—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,
प्राप्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), को धारा
269-ब के प्रधीन सत्रम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए रो प्रधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 51 ब्लाक एफ है तथा जो
बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी प्रधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिखा तहों रिता गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए,
योग्यता;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-ब के अनुसरण
में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणत :—

1. श्री याजा राम पुपुत्र श्री सूरज भान, मकान नं० 2422, श्री नगर, गोनेग पुरा, दिल्ली। (अन्तरक)
 2. श्री हन्स राज चावला, सुपुत्र श्री श्याम दास चावला 279-कचे तीहाड़, नई दिल्ली
- (प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कापड़द्वारा लिखा है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तारीख में अधार होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्याकरणः—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

मनूसूची

फ्लाट नं० 51, ब्लाक नं० ‘एफ’ खसरा नं० 399622-
496/1929/2, क्षेत्रफल 200 वर्ग मज, स्थापित-बाली
नगर, बसई दारापुर, नई दिल्ली।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
सक्षम प्राविकारी
प्राप्यकर सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 20-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-2
एच ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एस० आर० I/
8-80/6841—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30, ब्लाक नं० 'सी' है तथा जो नेहरू
रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़
अनुसूची में पूर्व रूप में अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
के प्रार्थक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्थक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री चिरन्जी लाल सुपुत्र एल० मूलचन्द ग्राम-पोस्ट-
किलराय, तहसील, झांशीर, जिला रोहतक, हरियाणा।
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ चोप्रा, सुपुत्र श्री जीवन दास चोप्रा
पता-4532, आर्य पुरा, सज्जी मंडी, दिल्ली। (अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुसूची

नं० 30, ब्लाक 'सी' नेहरू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली
क्षेत्रफल -200 वर्ग गज

आर० श्री० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-2

एच ब्लाक, विकास भवन, उद्धरप्रस्थ डस्टेट,
नई दिल्ली-220002, दिनांक 20-अप्रैल 1981

निर्देश सं० आर्द्ध० ए० सी०/एक्य०/11/एस० आर०-
1/8-80/6832—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 746-748 (नई) 403-ए (पुरानी)
है तथा जो चर्च मिशन रोड, सराय अहमदपार्क में स्थित
है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में 'भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को धूर्वाकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरीती (अन्तरीतीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—56GI/81

1. श्री भागीरथ लाल सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री बनवारी
लाल कर्ता, एच० यू० एफ० बनवारी लाल एड संस,
ए-1/39, सफदरजंग इलाम, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री यश पाल मलहोत्रा, सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण
मलहोत्रा डी-८७, ईस्ट कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोफर्नी नं० 746-748 (नई) और 403-ए (पुरानी)
वार्ड नं० 111, चर्च मीशन रोड, सराय अहमदपार्क, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-2

मई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-II
8-80/3824—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हैबत पुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे जपावड अनुमूली में पूर्व स्था में
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृद्धत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चकृति तथा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल मुपुत्र श्री हरी राम, 29, परम्पराम
मन्दिर गली, नजफ गढ़, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राज कुमार कपूर, मुपुत्र श्री के० एन० कपूर
27-बी, बसन्त लैन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्नरक्ती)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

भूमि का क्षेत्रफल 19 विघे और 3 विघे, ग्राम दैवत
पुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 20-4-1981

पोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-
51/8-80/6817—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38/73 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर थे ने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती नाजवन्ती विधवा पत्नी श्री गोविन्द लाल
बीशम्बर लाल और महिन्दर पाल सुपुत्र श्री लधाराम,
30/73, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री आई० एस० नन्द सिंह सुपुत्र श्री लुभाया राम
जसबीर सिंह कुमार गरवीर सिंह कुमार सुपुत्र श्री 30/73,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभास्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा मकान नं० 30/73, पंजाबी बाग, नई
दिल्ली, पश्चिमी हिस्सा 545.415 वर्गगज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू० /II/एस० आर०-
/8-80/6793—अतः मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-124 ओन सी-125, है तथा जो
कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगन्नार पाल गुप्ता, जुगल किशोर गप्ता,
मनोहर साल गुप्ता, सुपुत्र श्री हन्स राज गुप्ता, सी-124,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल भाशीन, सुपुत्र श्री गनपत राय
भाशीन 32/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी हाउस प्लाट नं० सी०-124, और
सी-125, क्षेत्रफल, 187.1/2 वर्गगज कीर्ति नगर, ग्राम
बसंई दारा पुर, नई दिल्ली।

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रकाश प्राइंट दीप एवं एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/एस० आर०-
१/८-८०/६८१३-प०—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ए के प्रधीन संबंध प्राविकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० भी/147-148 है तथा जो
चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (अग्र इससे उपावड
अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्त
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निष्पत्तिविहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के प्रस्तरक के वायिक्षण में कमी
करने या उपर्युक्त वचन में विविधा के लिए। और/मा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा
(1) के अधीन, निष्पत्तिविहित अविकरणों, अर्थात् ।—

1. म० दीपचन्द राम दास और सन्त, ए/6, मेय फेयर
गार्डेन, नई दिल्ली साक्षेदार-श्री धनश्याम दास, श्री कन्हैया
लाल, श्री महिन्दर लाल, सुपुत्र श्री दीपचन्द, और श्रीमती
बीसना देवी पल्ली-दीप चन्द (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, कुल बीर सिंह सुपुत्र श्री एस०
सन्तोष सिंह 5/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के शब्दों में कोई भी धाकेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की धारीत में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी अविकरण द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मद्द (जहाँ अन्य अविकरण द्वारा, अद्वैताकारी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के लाभार्थ 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ लिखा, जो उस लाभार्थ में दिया
गया है।

अनुसूची

82. 84% शेयर, दुकान नं० भी-147/1478,
चान्दनी चौक, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्तम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/एस० आर०-
१/८-८०/६४७—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ऊंचत बाजार मूल्य
25,000/ रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 14/6, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वांक संपत्ति के ऊंचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का ऊंचत बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) जार अन्तरारला
(अन्तरीतियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण ऊंचत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती रीशी देवी कपूर पत्नी श्री बी० डी० कपूर,
फ्लैट नं० 5/3, ब्लाक नं० '0' सैक्टर नं० 13, आर० के०
पुरम। नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विनोद भाटिया, परमोद भाटिया (छोट)
मुपुत्र श्री के० एल० भाटिया, 14/6, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली द्वारा के० एल० भाटिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० 14/6, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2
 नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० भी०/ग्र०/११/ए० आर०

11/8-80/3702-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

सं० 32/44 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
 दिल्ली में स्थित है (आँग इससे उपाख्य अनुसूची में और
 पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आहिए था छिनाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्दर सरणि
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री श्रीम प्रकाश चोप्रा सुपुत्र श्री एल० गोपाल दास,
 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरमीन्दर सिंह गुलाटी, सुपुत्र श्री किशन मिह
 गुलाटी, 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्प :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) से प्राप्ति सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-
II/8-80/3690—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० प्लाट नं० ए-167 है तथा जो इन्दर पुरी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उल्लिखित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उल्लिखित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नतिथित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूचना से हुई किसी पाय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वस्तुकर के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया गया चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1)
के अधीन निम्नतिथित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश उपल, सुपुत्र श्री लाल चन्द उपल
आर-200, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा कैत पत्नी सोहन लाल कैन्ट, पता-
तरमस लाल, 15 पचकुंड्या रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर
नुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोदृश्यकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-167, इन्दरपुरी, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज मौजे-नगरायणा, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981
निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० [आर०-
II/8-80/3682—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बकाली, दिल्ली
खाता खतावनी, में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद [अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्ननिखित अधिकारी—
आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

7-56 GI/81

1. श्री सुरिन्दर सिंह खेरा सुपुत्र स्वर्गीय श्री विचीतर
सिंह खेरा डी-28, एन. डी० एस० ई०-I, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री शेर जंग बैरी (2) श्री इन्दर लाल बैरी
(3) वरीन्दर लाल बैरी सुपुत्र श्री एस० एल० बैरी, (4)
श्रीमती के० बैरी, पत्नी श्री एस० जंग बैरी, (5) श्रीमती
उषा बैरी, पत्नी आह० एल० बैरी, (6) बीना बैरी पत्नी
श्री बी० एल० बैरी सबका पता 5/6, रूप नगर, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्तने के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अद्वैतसाक्षाती के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 53 विधे, 16 विश्वास, प्राम-बकवाली,
दिल्ली खाता खतावनी।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-II/8-80/3680—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 9, है तथा जो ग्राम नारायणा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढंग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ढंग से कहित नहीं किया गया है : -

(क) अन्तरण से हुइ० किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् : -

1. श्रीमती कृष्णा कान्ता कपूर, पत्नी श्री मदन लाल कपूर मकान नं० सी०-9, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मुमनेश कुमार, सुपुत्र श्री रतन लाल मकान नं० सी०-52, नारायणा, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 1/2 डेढ़ मंजिला मकान नं० सी०-9, खसरा नं० 1650, स्थापित ग्राम-नारायणा, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-च (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली—110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००८०/ए स० आर०-
II/8-80/3679—अतः मुझे, आर० बो० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसको सं० ब्लाट नं० 70, ब्लाक जे-3, है तथा जो
राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्र में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपस्थापा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों पर्याप्ति :—

1. श्री ओम प्रकाश, सुपुत्र श्री लक्ष्मन दाग, 1921,
सैक्टर-9, फरीदाबाद।
(अन्तरक)
2. श्री द्वारका नाथ सुपुत्र श्री नन्द राय श्री सेवा राम
सुपुत्र श्री द्वारका नाथ, जे-3/70, राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में
से किसी अवक्षिय के द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवक्षिय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

1. 1/2 ब्लैक मंजिला ब्लाट नं० 70, ब्लाक नं०
जे-3, थोकफल 160 वर्गगज, राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली।

आर० बो० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रसूप याई० ई० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 20 अप्रैल 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस०० /II, एस० आर०-
II, 8-80/3678—प्रतः: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को घारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से प्रधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 41, रोड नं० 41, है तथा
जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी शब्द या किसी घन या अन्य मासियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे
भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्यपि उक्त अधिनियम की घारा 269-ब के भन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-ब की उपघारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अनुसूची में अवृत्त:—

1. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री कीरपाल सिंह श्रीमती
जोगीन्दर कोर पत्नी श्री हरभजन सिंह 41/41, पंजाबी बाग,
दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री नानक आश्रम सैहर, जिला-लुधियाना दांरा
द्रस्टी एस० कन्वालजीत सिंह, सुपुत्र श्री एस० गुरुबक्ष सिंह
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कायित्वाद्वारा
कायित्वाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वेष्टताकारी के पात्र विवित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डॉ० एस० अवन, प्लाट नं० 41, रोड नं० 41,
2222.22 वर्ग गज, पंजाबी बाग, ग्राम-मादीपुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. हिंस्ट हॉटेल लिमिटेड, (अन्तर्रक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रीथी पाल सिंह लाल्हा, (कर्ता)

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली:

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०ए०प००१, आर०-१/
8-८०/६८१२—अतः मुझे, “आर० बी० ए० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोटेज नं० 9, है तथा जो 2-शामनाथ
मार्ग, दिल्ली-५४ में स्थित है (और इससे उपाद्धु अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और भक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ओबराय कोटेज नं० 9, ओबराय अपार्टमेंट, 2-शामनाथ
मार्ग, दिल्ली-110054।

आर० बी० ए० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्य०—/एस० आर०-१,
८-८०, ६७९१—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ३-२, ब्लाक एच, है तथा जो
राजौरी गाडें, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीचित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

मनुसूची

1. 1/4, मंजीला मकान, प्लाट नं० 32, एच-ब्लाक,
स्थापित-राजौरी गाडें, नई दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

1. श्री बसन्त सिंह, सुपुत्र हकीम सिंह, एच-32, राजौरी
गाडें, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती दर्शन कौर सेथी, पत्नी श्री जसपाल सिंह,
जे-3/68, राजौरी गाडें, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासाम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रह्लाद आर्द्धे, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आर्द्धे० ए० सी०/एम्ब०/II/एस० आर०-11/
8-80/3639—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, महि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 27, रोड 40 है तथा जो
पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाबा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री हीरा नन्द सुपुत्र श्री चमन लाल, राम दास
सुपुत्र श्री चमन लाल, श्रीमती शकुन्तला मलीक पत्नी श्री
राम लाल मलीक, 27/40, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अनुज कुमार भला सुपुत्र श्री ए० पी० भला,
श्रीमती कृष्णा भला पत्नी श्री ए० पी० भला,
पता-ए-2, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मधुमत्ती

प्लाट नं० 27, रोड नं० 40, 360.29 बर्ग गज,
पंजाबी बाग, आम-मादीपुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०-II/एस० आर०-II
8-80/11/3640;—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी-111, है तथा जो इन्द्र
पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-1981
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपर्याप्त हैं—

1. श्री बीजेन्द्र नाथ भीतल, सुपुत्र श्री बाबू लाल
बी-7, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. सरदार हरी सिंह सुपुत्र श्री मेहर सिंह डब्ल्यू-जेड-2
बी, विष्णु गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फी होल्ड खाली प्लाट नं० सी-111, बैलफल 500
वर्ग गज, स्थापित इन्ड पुरी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

श्रमिक आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 20 अप्रैल, 1981
निर्देश सं. आई.टी.ए. सी.एस.यू.ए.एस. 1980-I/
8-80/6811—अतः मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-5/4, है तथा जो मोडल टाउन,
निकट किंगडे कैम्प, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राहि-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कार्यस्त नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे अधीन में सुविधा के लिये;
और/या

1. श्री बशन्त लाल ठंडन, सुपुत्र श्री लक्ष्मा राम ठंडन,
नं. 3110, सीरेस्याद अहमद रोड, दिल्ली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती लाजबन्ती कपूर, पत्नी श्री शाम मुन्दर,
श्री सुरिन्दर कुमार कपूर, श्री मोहन्दर कुमार, श्री वीरेन्द्र
कुमार, श्री बीजाय कपूर, सुपुत्र श्री श्याम मुन्दर, नं.
बी-5/4, मोडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यस्त हाइयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यावलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं. 5/4, (प्लाट नं. 4, ब्लॉक नं. 5), मोडल टाउन
निकट किंगडे कैम्प, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त है—

उक्त आई० बी० एम० एम० ---

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-I/8-80/6866—अतः भुजे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ए के प्रश्नोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राजवार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे-93ए, है तथा जो राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिम्नतु व्यक्तियों, अर्थात् ८--

1. श्रीमती हर कोर पल्ली श्री दयाल सिंह जे-93-ए, राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला रानी, पल्ली परशोत्तम लाल, ए-106, विशाल इल्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में फोर्ड श्री आमोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी प्रबंध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोद्दृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिचारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० जे/93-ए, क्षेत्रफल 184 वर्गमी, राजौरी गाड़ेन, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२-एस० आर०-१/
८-८०/६८६०—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 5/1, ब्लाक-41 है तथा जो
रोशनारा एक्स स्कीम, सिंह सभा रोड, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम सहाय, सुपुत्र श्री गेहूला राम 5/1, ब्लाक नं०
41, सिंह सभा रोड शक्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुर सहाय और राम सरन, सुपुत्र श्री गेहूला राम
राम, 5/1, ब्लाक नं० 41, सिंह सभा रोड, शक्ति नगर,
दिल्ली। (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० 5/1, ब्लाक नं० 41, मकान का 1/3,
हिस्सा, खेलफल 340- वर्गगज, स्थापित रोशनारा एक्स०
स्कीम, सिंह सभा रोड दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के परवीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर०-2/
8-80/3701—प्रत: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० ए० एल/7, है तथा जो हरी नगर,
तीहाड़, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृषि प्रतिकात प्रधिक है
जो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रान्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर व्यविधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यविधिनियम, या धन-कर व्यविधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाड़ा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त व्यविधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त व्यविधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा(1) के परवीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. चौधरी जय नारायण, सुपुत्र चौधरी भगवान दास
2872, तीहाड़ मार्केट, तेलीवाड़ा, सदर बाजार, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर दयाल, सुपुत्र श्री पृथ्वी सिंह, 4238,
गली बाहुजी, पहाड़ी धीरज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोटोस्टाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इषड्होकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यविधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-एल/7, खसरा नं० 84, ब्लॉक 'एल'
क्षेत्रफल -400 वर्गगज, स्थापित हरी नगर, तीहाड़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 20-4-1981
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-2

नई विल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-१/
८-८०/६८८०—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 4800-4801 है तथा जो राम बाजार,
कपड़ा बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निष्ठलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा(1)
के प्रधीन, निष्ठलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री रामचन्द्र, सी/ओ, गनेस
लाल किणोरी लाल, राम बजार क्लॉथ मार्केट, दिल्ली द्वारा
श्री माम चन्द्र सराक जी० ए० (रजि०) (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी, अजय कुमार, अनिल कुमार,
अरुण कुमार पत्नी और पुत्र श्री जगदीश प्रसाद, बैतन गंज,
ग्रामरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हौं, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्तिहारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्तिहारा, प्रधोत्साहनी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुविवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4800-4801, स्थापित राम बाजार ब्लॉक
मार्केट, विल्ली ब्लॉकफ्ल 60 वर्ग गज, 2-मंजिला मकान।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-2/
8-80/3652—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 135/136, ब्लाक 'सी' है
तथा जो ज्वालाहरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण द्वे हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता जारी था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शतीश कुमार मलहोत्रा, 41-ए, एम० आई०
जी० फ्लैट, पौकेट 'सी' फेस-2, आशोक विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री श्रज्य कुमार, रेलवे रोड, बहादुरगढ़, हरियाणा
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

मनूसली

प्लाट नं० 135/136, खसरा सं० 1/16/2, ग्राम
ज्वालाहरी, नई सुलतान नगर, नई दिल्ली, घोनफल-373-1/3
3, वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/
४-८०/६८२९—अतः मुझे, आर० बी० ए० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओबराय डीलक्स-19, ब्लाक 'सी'-३
है तथा जो ओबराय अपार्टमेंट, सामनाथ मार्ग, में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांछत
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. मै० ईस्ट इण्डिया होटल लि० ४, मेनगोर्ई लेन,
कलकत्ता-700001।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अन्जली सीबल, श्री रविन्द्र मार सीबल,
होटल ओबराय प्लेस, श्रीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

ओबराय डीलक्स-19, ब्लाक नं० सी-३, स्थापित
ओबराय अपार्टमेंट, सामनाथ मार्ग, सीबील लेन, दिल्ली-५४

आर० बी० ए० अग्रवाल,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/२/एस० आर०-२/
८-८०/३६८५—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूम्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो साहिवाबाद,
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से विवरित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 1 बिघा, खसरा नं० 395, ग्राम
साहिवाबाद, दौलत पुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
अर्जन रेंज, मागपुर
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, विल्ली, नई दिल्ली-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि की अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

1. श्री बीरेन्वर सिंह सुपुत्र श्री येर सिंह, ग्राम-पोस्ट-
साहिवाबाद, दौलत पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० झेलम उद्योग प्रा० लि०, 3641, लोहेवाली
गली, चावरी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना आवी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यांकन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. ०/एक्यू. ०/२/एस. ० आर. ०-२/
८-४०/३६६३—अतः मझे, आर. ० बी. ० एन. ० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूमि में और
पूर्व रूप से बाणी है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य आवंटियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

9—56GI/81

1. मैं ० नाम प्रभाग प्र० भूमि, ४१-नुसा रोड़, नई
दिल्ली १, द्वारा चान्द प्रभाग, द्वारा जेनरल अटर्नी सन्तोष
कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द, १२-ए, औरंगजेब रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रश्न चोपड़ा सुपुत्र श्री ए. आर. ० चोपड़ा
१६-ए/१३, उच्च्यू/इ/ए/करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवौध
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

कृषि भूमि क्षेत्र ५ बिल्ड, और ५ बिल्ड, एम. ० नं. २१,
कीला नं. १३, ग्राम—नजफगढ़, नई दिल्ली।

आर. ० बी. ० ए. ० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-२

तारीख: 20-4-1081

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, एच ब्लाक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ इस्टर्ट डिल्ली-2
नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एम्य०/2/एस० आर०-2/
8-80/3662—अतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफ गढ़,
नई दिल्ली में स्थित है ('और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान अन्तरित का उत्तर दाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदृ किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाग इकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. मेसर्से चन्द्र प्रकाश एप्ड सन्स, 41-पुसा रोड,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश द्वारा जैनरल अटर्नी सन्तोष
कुमार, सुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12-ए, नजफ गढ़, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती किरण पी० चोपड़ा, पत्नी श्री प्रमोद चोपड़ा
6/20, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बीघे और 16 बीघे, एम० नं० 21,
कीला नं० 24, ग्राम नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 20-4-1981
मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निवास सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
८-८०/३६६८—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में
कास्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा अस्ति/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधे और 16 बीधे, एम० नं० 34,

किला नं० 3, ग्राम-नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/ नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षि--

तारीख : 4-4-1981

मोहर:

1. मैसर्स चन्द्र प्रकाश एण्ड सन्स, 41-मूसा रोड़,
नई दिल्ली द्वारा चान्द्र प्रकाश और द्वारा जनरल अटार्नी-
सन्टोष कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द्र, 12-ए, औरंगजेब
रोड़, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री विनोद चौपड़ा सुपुत्र श्री ए० आर० चौपड़ा
6-बी०, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आधोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहूद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-II

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्य०/एस० आर०-II/
8-80/3669—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स चन्द्र प्रकाश एण्ड-सन्स-41-पुसा रोड़,
नई दिल्ली द्वारा चान्द्र प्रकाश और द्वारा जेनरल अटार्नी-
सन्तोष कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द्र, 12-ए, औरंगजेब
रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० इण्डिया क्राफ्ट-2-इ/1, स्वामी राम तीरथ
नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षितात्मी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिथे और 5 बिथे, एम० नं० 34,
किला नं० 2 (4-16) एम० नं० 21, किला नं० 22/2
(2-9), ग्राम-नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रह्लाद प्राईंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी०/एक्यू०/२/एस० प्रार०-२/८-८०/३६६६—अतः मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का द्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, दी.धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. भैसर्सं चन्द्र प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड, नई दिल्ली द्वारा चान्द्र प्रकाश, और द्वारा जनरल अटार्नी सन्तोष कुमार, सुपुत्र श्री गोकल चन्द 12-ए, औरंगजेंग रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती बीना चौपडा पत्नी श्री विनोद चौपडा 6-बी, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त प्रमाणिके प्रबंधन के प्रबंधन में छोई भी घाटेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में में किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्डोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिथे और 16 बिथे, एम० नं० 34, कीला नं० 4, नजफ गढ़, नई दिल्ली।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई फ़िल्मी-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/२/एस० आर०-२/
४-८०/३६६७—अतः मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्ता-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधि और 16 विधि, खसरा नं०
7, एम० नं० 34, ग्राम नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० वी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:-

प्रमुख प्राईंटी ८० एस० एस० —

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०-२/एस० आर०-२/
3665/८-८०—अतः मुझे, आर० बी० ए० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और
पूर्वीरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसमं चन्द्र प्रकाश एण्ड मन्स, 41-पुसा रोड,
नई दिल्ली ड्वारा चान्द प्रकाश और ड्वारा जेनरल अटान्ड
सन्तोष कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12ए. औंगजेब रोड,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुनीता चोपड़ा पत्नी श्री अस्तन चोपड़ा
16-ए/13, डब्ल्यू/ए/ए/करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन ली अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्त्राक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है वही वर्ण होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिंधे और 12 बिंधे, एम० नं० 21,
किला नं० 17, ग्राम नजफगढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० ए० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली
तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/
८-८०/३६६४—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
भूविभाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 मैं० चन्द्र प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड, नई
दिल्ली द्वारा चान्द्र प्रकाश, द्वारा जेनरल अटर्नी-सल्लीष
कुमार, मुपुत्र गोकल चन्द्र, 12-ए, औरंगजेब रोड, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री प्रमोद चोपड़ा, मुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
6/20, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिंदे और 16 बिंदे, एम० नं० 21,
कीला नं० 23, ग्राम नजफगढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रह्लण आई० टी०एम० एल०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-२/एस० आर०-२/
८-८०/३६६१—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रबिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- ए०
से अधिक है

और जिसकी सं० कुप्रिय भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रीर
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथमेनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी:—

10-56GT/81

1. मैं० चन्द्र प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पूसा रोड,
नई विल्ली द्वारा आन्व प्रकाश, द्वारा-जेनरल अटार्नी सन्तोष
कुमार, सी/प्री, गोकल अन्व, 12-ए, ग्रीनगेट रोड, नई
दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री अरुण चोपड़ा, सुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
16-ए/13, डल्लू/ई/ए करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुप्रिय भूमि धेन 4-विधे और 13 विधे, खसरा नं०
18/1, एम० नं० 21, ग्राम नजफगढ़, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर,
बंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/27855/80-81/ए० सी०
क्य० बी—अतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० सं० 181/2 टी० एस० सं० 1172
श्रीर डोर सं० 4-6-610 है, तथा जो कोडियल ब्लेगांव कोडियलबेल
वार्ड में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्गित है), रजिस्ट्रीवर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बंगलूर
सिटी में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 14-8-1980

का पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तीयों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
धा या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री के० राजा गनेश शेनाय के मार्गेश शेनाय
के पुत्र, केनेश बैक नारीमन पाइन्ट ब्लॉक, बंवई-21
इसके स्पेशल पावर आफ अटारनी होल्डर है
श्री ए० लक्ष्मन कामते, ए० रामचंद्र कामत के पुत्र,
डोन्गेर केरी, बंगलूर-3

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामचंद्र शेनाय श्री० के० केशव शेनाय
के पुत्र, मर्वन्ट बुन्देर, बंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरणः—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा और उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 559 /80-81 ता० 14-8-80)

धर संपत्ति है जिसका आर० एस० सं० 181/2, टी०
एस० सं० 117/2 श्रीर डोर सं० 4-7-610 तथा जो
कोडियलबेल, गांव में कोडियलबेल वार्ड मंगलूर सिटी
चकबंदी है।

उ० में—झी० एल० लेन,

द० में—सर्वे लेन,

प० में—टी० एस० सं० 117/2 के विभाग

प० में—टी० एस० सं० 117/2 के विभाग

आर० तोतावी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 2-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. पन. एस. —

इत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेण्ज, बंगलौर
बंगलर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28318/80-81/—ग्रजन
बी—पतः मझे आर० तौतात्त्वी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 737 है, तथा जो लम्बानि, बिलडीनगास चिकनपेट आस रोड बेंगलूरु सिटी में स्थित है 'और इस दे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-9-1980 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उससे अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तीर्ण को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती अम्बरमा दिवंगत वि० एन० रंगनाथराव की पत्नी मं० ३५/५, टाटा सिल्क फारम II मेन रोड, III ग्राप लेन बसवतनगुडी बगलूरू-४।
(अन्तरक)

२. श्री विपिन चन्द्र ए० मेहता दिवंगत अनुपचंद आर
मेहता के पुत्र सं० ७३७, चिकिपेट क्रास रोड
बैंगलूरु सिटी)

- (प्रत्यक्षित)

3. श्री जयंतीलाल आर० झा सं० 737, चिक्कपेट
कास रोड बैंगलूरु
(बड़े उद्यमित, जिसके अधिभोग में

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्कित सम्मति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हुई, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलिंग में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लालसूची

(दस्तावेज सं० 2453/80-81 ता० 18-9-1980)

घर संपत्ती है जिसका सं० 737, लक्ष्मन विल्डीनगस,
चिक्कपेट कास, रोड बैंगलुर सिटी।

चक्रबंदी है :

उ० में—एन० संपत्क्रमार के संपत्ती

६० में—कामन प्यारेज

प० में—सं० 738, नरेशचंद्र ए० महुता के सप्तसी

प० में—चिक्कुपेट कासा

श्रार० तोतावी
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलर

तारीख : 3-4-1981

सोहर ।

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28319/80-81/एस्य०
बी०—यतः मुझे आर० तोतावानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 740, है, तथा जो लक्ष्मन बिलडिंग चिक्कपेट
फ्रास रोड बंगलूर सिटी में स्थित है (और इस से उपादान
अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारा के
कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यत्र विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्यों)
और अन्तरिती (अन्तरिराइयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

) श्रावतो अम्बम्मा दिवंगत वि० एन० रंगनाथराव
को पत्नो सं० 35/5, टाटा सिल्क फार्म II में
रोड III पाप जेन बसवनगुडी, बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री घनवंत कुमार ए० दिवंगत अनूपचंद आर०
महता के पुत्र, सं० 740, चिक्कपेट क्रास रोड
बंगलूर सिटी।

(अन्तरिसी)

(3) श्री पी० लक्ष्मण शेटी ए० सन्स (2) मस्से
रामकृष्ण कमरशीयल कारपोरेशन सं० 740, चिक्कपेट
क्रास रोड बंगलूर

(वद् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

(दस्तावेज सं० 2454/80-81 धा०
18-9-80)

उर संपत्ति है जिसका सं० 740, लक्ष्मन बिलडिंगस में
चिक्कपेट क्रास रोड बंगलूर सिटी।

चक्रबंदी है

उ० में —श्री एन० संपत्कुमार के संपत्ती
प० में०—कामन प्यासेज

प० में—श्री एन० आर० द्वीगाइस के संपत्ती

प० में—सं० 739, हुरदाव राय ए० मेहता के संपत्ती

आर० तोतावानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 3-4-1981

मोहर:

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3-4-1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28320/80-81-एक्यु बी०—
मत: मुझे आर० तोताकी,
ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के प्रयोग तथा शावितारी को, पहले विश्वास करने का कारण है फि स्थानीय सम्पत्ति निवास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 738, है तथा जो लदमन बिल्डींग्स चिक्कपेट-आस रोड बंगलूर सिटी में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन ता० 18-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और मुझे पहले विश्वास करने का कारण है फि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यरह (प्रत्यरहों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बोवे दे। प्रत्यरह से तिर तर पागा गया प्रतिफल, निर्विवित उद्देश्य त उक्त प्रत्यरह लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरह से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उसपे बचने में मुविषा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविषा के लिए,

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रत्यरह में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

(1) श्रीमती अम्बम्बा दिवंगत बी० एम० रंगनाथराव की पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फारम II में रोड, शाप लेन, बसवनगुडी बंगलूर-4
(अन्तरक)

(2) श्री नरोपन्न ए० मेहता विगंत अनुप्रबंद्ध आर० मेहता के पुत्र सं० 738, चिक्कपेटक्रास रोड बंगलूर सिटी।
(अन्तरिती)

(2) श्री के० सी० नरसिंहमूर्ती सं० 738, चिक्कपेट-क्रास रोड, बंकलूर।
(2) सी० एन० चार सं० 737 सं० 739 चिक्कपेटक्रास रोड।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को पहले सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन अधिकारी पर पूछना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2455/80-81 ता० 18-9-80)

घर संपत्ती है जिसका सं० 738, लछमन, बिल्डींग्स में चिक्कपेटक्रास रोड बंगलूर सिटी।

चकवंदी है।

उ० में—श्री एन० संपत्ति कुमार के संपत्ती

द० में—कामन प्यासैज,

प० में—श्री हरखदरा मेहत के संपत्ती है जिसका सं० 739।

प० में—श्री बिपीन चंद्र ए० मेहता के संपत्ती है जिसका सं० 737

आर० तोताकी

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 3-4-1981

मोहर :

प्रकल्प धारा ८० टो० एन० एस००-

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28321/80-81/एक्यु/बी०—
यतः मुझे आर० तोतात्री,
आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 739, है तथा जो लक्ष्मन विलडीनगर,
चिक्कपेट क्रास, रोड बंगलूर सिटी में स्थित है (और इस से
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 18-9-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अःरित हो गढ़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके ५५% तात्पर्य से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह भाजार से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिए नहीं याद यथा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रत्यक्षण विविध में वास्तविक रूप से कहिए
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से दृई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करदेन के प्रत्यक्ष के
शायित्व में कमों करा या उपसंचार में मूल्यांकन
के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी प्राय या किसी भ्रन्त या गन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धन-
कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः:—

(1) श्रीमती अम्बिमा दिवंगत वि० एन० रंगानाथरवा
की पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फारम II में
रोड, III शाप लेन नसवनगुडी बंगलूर-4
(अन्तरक)

(2) श्री हरषदराव ५० मेहता दिवंगत अनूपचंद्र आर०
मेहता के पुत्र, सं० 739, चिक्कपेट क्रास रोड
बंगलूर सिटी।
(अन्तरित)

(3) १ मोतीलाल हुसनलाल अंड को सं० 739, चिक्कपेट
क्रास रोड बंगलूर।

(2) सी० एन० चार सं० 737 से 739, चिक्कपेट
क्रास रोड बंगलूर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

जो यह सूचना आरो फरंत दूरी की सम्पत्ति के प्रधीन के
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में फ्रागत की तारीख से
४५ दिन को प्रवधि, या तथ्यमन्त्री व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन में ३० दिन को प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी गन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोग शब्दों और रद्दों का, जो उक्त
भविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही पर्याप्त होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2456/80-81 ता० 18-9-80)

घर संपत्ति है जिसका सं० 739 लक्ष्मन विलडीनगर
में चिक्कपेट क्रास, रोड बंगलूर सिटी।

चक्रवर्दी है।

उ० में० —एन० संपत्कुमार के संपत्ती,

द० में—कामन घामेज़

प० में—संपत्ती सं० 740,

प० में—संपत्ती सं० 738,

आर० तोतात्री)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर,

तारीख : 3-4-1981

मोहर।

प्रलूप बाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक १४ अप्रैल १९८१

निवेदण सं० III ४८३/अर्जन/८१-८२—अतः मुझे हृदय
नाराणण

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० धारा सं० ४ तौजी सं० १४८४९ खाता
सं० १०३ बाई सं० ३३ सक्षिल सं० २४६ है
तथा जो दुजरा पटना में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८
(१९०८ का १९) के अधीन तारीख २१-४-१९८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्र) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, धा-
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(१) श्री लल्लू लाल चौधरी पिता स्व० श्री द्वारिका
प्रसाद चौधरी वहैमियत खुद्दोबली श्री राजकिशोर
जयसवाल और श्री बृज किशोर जयसवाल अल्प
व्यस्त पुत्रगण निवासी मुहल्ला दुजरा पद्मालय जी०
पी० ओ० स्थाना बुद्धा कोलोनी पटना शहर
पटना।

(अन्तरक)

(२) श्री राजनाथ सिंह पिता स्व० श्री शीतल सिंह
निवासी ग्राम दरियापुर प्रेम पंक्षालय मसीडा
थाना फालीगंज जिला पटना।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २९-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धुरारी जमीन का रकमा २ कट्ठा १ घुर ५ धुरकी जो
मौजा दुजरा थाना बुधा कोलोनी जिला पटना में स्थित है
तथा पूर्णरूप से वासिक नम्बर ६२९४ दिनांक २१-४-१९८०
में वर्णित है एवं जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधि-
कारी पटना द्वारा की गयी है।

है

तारीख : १५-४-१९८१

मोहर :

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्रो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 18 अप्रैल 1981

निर्देश सं० III/484 अर्जन /81-82—अतः मुझे, हृदय
नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
प्राप्ता 269-व के प्रधीन सम्म अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नम्बर 12, खेसरा नं० 187 है तथा जो
शादीकपुर योगी थाना कंकड़बाग, पटना में स्थित है (और इससे
उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 11-8-80

को पूर्णीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान प्रतिकूल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके तृश्यमान
प्रतिकूल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकूल का एवं प्रतिकूल से अधिक है
और अन्तरेक (अन्तरेकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा याया याया प्रतिकूल, निम्नलिखित उत्तर से
उत्तर अन्तरण निखिल में शास्त्रविक रूप से कहिन नहीं किया याया
है।—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी या या अन्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ० उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कुलदीप बल्द स्वर्गीय श्री मंगल प्रसाद यादव
निवासी ग्राम वारीश खां तालाब, कुम्हरार थाना
सुलतानगंज, जिला पटना।

(अन्तरेक)

(2) श्री जय प्रकाश गुप्ता आत्मज श्री ओम प्रकाश
गुप्ता निवासी ग्राम जगत नारायण रोड थाना कदम
कुशांग, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ द्वारा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 15 डीसम्बर जो मौजा शादीकपर
योगी थाना कंकड़बाग जिला पटना में स्थित हैं तथा पूर्ण रूप से
वासिका नम्बर 5133 दिनांक 11-8-80 में वर्णित हैं एवं
जिसका निवासन जिला धनवर निवासक पदाधिकारी पटना द्वारा
की गई हैं।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र
पटना

तारीख : 18-4-1981

मोहर :

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विभूति भुषण भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी प्रतिमा बासु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1981

निर्देश सं 895/एक्यू.आर-III/80-81—यतः, मुझे
आई० वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं 1/2/6, है तथा जो गरियादाट रोड (साउथ)
कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 14-8-1980की पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य.
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

बनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जमीन का ठिकाना :-

1/216, गरियादाट रोड (साउथ),
कलकत्ता, 2 के०—९ घ:—१८ वर्गफुट

आई० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 31-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :--
11-56GI/81

प्रस्तुत आहे.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सहदेव विश्वास अन्तरकः

(2) कुमारी राधाश्याम पाल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय,

कलकत्ता, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निदश सं० ए० सी० II रेंज IV/कल०/1981-82—

यतः, मुझे के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 213 है तथा जो चामपांडेरिया स्थित है और इससे उपगढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, जिहट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भाँदपारा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-80

को पूर्णरूप संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशपांडेरिया संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

213 चामपांडेरिया मौजा मे० ४ काटा जमीन का साथ भकान का सबकुछ जैसे 1980 का दलिल सं० 4137 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

: सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज सीकलकान्ता
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 7-4-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.----

(1) श्री अंजित कुमार चक्रवर्ती,

(अन्तरक)

(2) कुमारी मनेकुणे कोपारेटिव हाउजिंग सोसाइटि
लि।

(अन्तरिती)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदृश आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० 898/एक्यू० आर०-III/81-82—यतः मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसने परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
का धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 45 सी०/आई० जे०/1, और 45सी०/आई०
जे० है तथा जो मुर एमिनु, कलकत्ता, स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तर्ण) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के तिर तर गाया गया प्राप्तकर, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्राप्तणि निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की आवत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन हर देने के अन्तराल के शायित्र
में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः आब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तरसंवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना:—

45 सी० 1जे०/1, मुर एमिनु, कलकत्ता.

45 सी०/1जे०, मुर एमिनु, कलकत्ता,

जमीन का पूरा माप 8 के०-4 छ 25 वर्ग फीट

आई० वी० एस० जुनेजा
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज-III
54 रफीअहमद किबद्दवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० 899/अर्जन आर-III/81-82—अतः मुझे
आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 45, है तथा जो मुर एमिन कलकत्ता, में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 27-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथातः:—

(1) श्रीमती बिधि बनार्जी

(अन्तरक)

(2) कुमारी मनिकुणी कोपारेटिभ टाउजि सोसाइटि
लि० :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौद्योगिक व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना:—

45. मुर एमिनु, कलकत्ता.
Area 6K-10Ch-15 sq. ft.

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी

[निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज-III

54, रफीमहद किलोमीटर रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आइ० टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोच्चि, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निवेश सं० एल० सी० 482/80-81—यतः मुझे,
वी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनसार है, जो ट्रिच्चूर में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-8-1980

कर्ता पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के कायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीलामा, गीता मेनोन, मेतिनी मेनोन
और और कामिनी मेनोन

(अन्तरक)

(2) होटल सेवन हिल्स
(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममुसूची

26 cents of land in Sy. No. 2030/1 and 2030/2
of Trichur Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-4-1981

मोहर /

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 501/81-82—यतः मुझे, वी०

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिच्चूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-8-80

का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बाल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्य है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षमता से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सायंत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बड़कम अम्मा

है

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामकृष्ण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8.75 cents of land with building in Sy. No.
1884/5 of Trichur Village.

वी० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 10-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्रीमति अच्छाम्मा वर्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० जे० जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहृया करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिचन, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 502/80-81—यतः मुझे, वी०
मोहनलाल

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जारी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

54 cents of land in Sy. No. 289/4B, 289/2/3 and 289/7/2 & Alleppey Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वी० मोहनलाल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुभवण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

तारीख : 10-4-1981
मोहर :

प्रस्तुप प्राई• टी• एन• एस•---

(1) श्री कुर्येन

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० जे० जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिन-15, दिनांक 10 अप्रैल 1981
निर्देश सं० एल० सी० 503/81-82—यतः मुझे, वी०
मोहनलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, 4 जो आलप्पी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन 28-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अनः, घब्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वितरण किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टी हत्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के पद्धताय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप पद्धताय में दिया गया है।

अनुसूची

54 cents of land with shed in Sy. No. 289/7/2
of Alleppey Village.वी० मोहनलाल
संधर्म प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, एरणाकुलमतारीख : 10-4-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 504/81-82—यतः मुझे, वी०
मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इथावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुमूल्य के अनुसार है, 4 जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में श्रौत पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पल्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुमूल्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
पे श्रविधा के लिए;

(1) श्रीमती अम्बाडी कार्तायिनि अम्मा मालवी अम्मा,
नलिनी अम्मा और नयदेवी अम्मा

(अन्तरक)

(2) एउसे बाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताभरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रपुक्त जट्ठों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1.725 cents of land with a two storeyed
building in Sy. No. 1229/1 of Ernakulam Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12-56CI/81

तारीख: 13-4-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति, टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र 57, राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आर० 154/अर्जन—अस्ति: मृद्दु, अमरर्सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 90-ए है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टर्ड कॉर्पोरेशन अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्टर्ड करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1980

कर्त पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण सिद्धित भौतिक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के थायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्री दादृजगदीश प्रसाद मिहि।

(अन्तरक)

(2) श्री रमा वर्मा सर्वेंग राजेण दवेश, अनोश नावालिंग पुत्र पिता/संरक्षक डा० बृजलाल वर्मा

(अन्तरिती)

(3) श्री० वी० मजूमदार किरायेदार व अन्य तो अनधिकृत व्यक्ति।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यांकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 115, जो कि ग्राम तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है।

मकान नं० 90-ए, वाके मोहल्ला टैगोर टाउन शहर इलाहाबाद जो कि 1197 वर्गमंडल भूमि पर बना है तथा वह सब सम्पत्ति जिमका व्रण सेलडीड एवं कार्म 37 जो संख्या 3228 में है और जो कि सब रजिस्टर इलाहाबाद के कार्यालय में 7-8-1980 को पंजीकृत किये जा चुके हैं।

अमरर्सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 7-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) नें ने कर्नल कमल कुण्ठन वर्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

(2) श्रोमती मंजू मिश्रा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेन्स 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं. एम. 113/अर्जन—अतः भुजे, अमर मिह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसका सं. एच. 0 आई. 0 जो. 67 है तथा जो छालीगंज
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 22-8-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्देर्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरु कुकुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

मकान नं. एच. 0 आई. 0 जो. 67 छालीगंज लखनऊ
थेन्स 2852.50 वर्ग फिट लोजहोल्ड तथा वह सम्पूर्ण
सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 5154/80
में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के
कार्यालय में दिनांक 22-8-1981 को दिया जा चुका है।

अमर गिह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रोता प्रताप सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रोता: कुन्दोदार्ह आशुमल

(अन्तरित)

भारत सरकार

(3) उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं० के० 98 अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह
विसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 289/211/1 है तथा जो गौतमबुद्ध मार्ग
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रिकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के
अधीन, तारीख 27-8-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाधत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड प्लाट नं० 369 ए पर बने हुए दो मंजिला
मकान मूल्यसिलिन नं० 289/211/1 का पूर्वी भाग स्थित
मोर्तनकर लखनऊ व वह समस्त सम्पत्ति जो सेलडीड तथा
फार्म 37 जो संख्या 5319 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
मव रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-8-1980
को किया जा चुका है।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 22-4-1981
मोहर :अमरसिंह विसेन
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, लखनऊ

प्रूफ बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री फेथराय

(अन्तरक)

(2) श्री के० डॉ वर्मा श्रीमति सुनीतावर्मा

(अन्तरिता)

(3) उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्नि है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57, शाम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं० के० ११-अर्जन—श्रतः मुझे, अमरसिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमक: सं० 498/200 विशेष राकी स्टीट लखनऊ है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), गोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में गोजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-४-१९८०

वह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोज होल्ड प्लाट नं० 7 थेटफल 13650 वर्ग फिट पर बना हुआ मकान नं० 498/200 स्थित बिशप गांडी स्टीट फैजाबाद रोड थाना महानगर शहर लखनऊ तथा वह मध्य पूर्ण सम्पत्ति जो मेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 5285 में वर्णित है जिसका पंजोकरण लखनऊ के कार्यालय में दिनांक २१-४-१९८० को किया जा चुका है।

अमरसिंह विसेन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 22-४-१९८१

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री आरो वेंकटेश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आरो दामोदरन

(अन्तर्गति)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉल:-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1981

निर्देश सं. 10948/80—अतः मूँफे, श्रीमती एतामाल-
कृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 14/25, 1 रोगजूर गांव, कोयमबूतूर है,
जो में स्थित है (और इसमें उपाख्य से और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गार्फारम,
कोयमबूतूर (डाकूमेंट सं. 2877, 80 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1

21-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शावित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

(भूमि और निर्मन 14/25, 1, रोगजूर गांव, कोयमबूतूर
डाकूमेंट सं. 2877, 80)

राधाबालकृष्ण
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉल-II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में मौं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

तारीख 6-4-1981
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती पी. जेयलकंशमि

(अन्तर्क)

(2) श्री आर तामोदरन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-6, दिनांक 8 अप्रैल 1981

निर्देश सं 10943/80—अतः मुझे श्रीमती राधा-बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 15/104, बारती पारक रोड, कोयम्बतूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर डाकूमेंट सं 2978/80 में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तरी

भूमि और निर्मान 15/194, बारती पारक रोड,
कोयम्बतूर डाकूमेंट सं 2978/80)

राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार द्वारा

तारीख : 8-4-1981

भोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी इन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1981

निरेंग सं० 10950/80—अतः मुझे श्रीमती राधाबालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-ए, भारती पारक रोड, कोयम्बतूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृह से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) डाकूमेंट सं० 2922/80 के अधीन दिनांक 21-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति में आस्ताधिक कर्य में कठिन नहीं किया जाना है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिरने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपस्थाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वी० एस० तियागराजन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतयवती मुत्तु,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राज्यावान में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यावान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तानी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

संगोष्ठी :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधान 20-क में परिभ्रान्ति है, उन्होंने होता जो उस प्रधान में दिया गया है।

(भूमि और निरमाण 16-ए, भारती पारक रोड, कोयम्बतूर डाकूमेंट सं० 2922/80)

राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास-II

तारीख : 8-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.—

(1) श्री एन० जेथन्तिरन और प्रदेश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सि० हेस कृष्णमूरति।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, विनांक 8 अप्रैल 1981

निदेश सं० 1549/80—अतः मुझे श्रीमती राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 महाराजा सूरथराव रोड आलवार पेट मद्रास-18 है, जो में स्थित है (आँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मद्रास सैल (आकूमेंट सं० 1549/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-1980

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीत (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्रमुख

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्ध्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मूलि और जिरमाज 33, महाराजा सूरथ राव रोड, आलवार पेट, मद्रास।

(आकूमेंट सं० 1549/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास

तारीख : 8-4-1981
मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृष्ट आइ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 1104 /एकवी/23-II/81-

82—अतः मुझे माँगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोट नं० 10/783 है तथा जो अमबाजी
रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टिभान प्रतिफल से एसे दृष्टिभान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :—

(1) श्री अदती प्राङ्गण जमपा बाजार, सूरत
(अन्तरक)

(2) (1) डायरेक्टर, मार्गदर्शन एपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड
(2) श्री किशोर मगनलाल शाह (3) श्री इन्द्रजीत धीरज
लाल हनसोढी, रतनशंकर मास्टर पोल, अमबाजी रोड,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यबाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तयों में से किसी अविक्त इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वित्त किसी अन्य अविक्त इवारा, अधोहस्ताशरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं० 10/783, अमबाजी रोड, सूरत
रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री कि
गयी है।

माँगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीखः 7-4-1981

मोहरः

प्रस्तुत भाइंडी टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1105/एकवी० 23-II/81-82

—ग्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नांद नं० 4067, 4068 है तथा जो नावपुरा, लाल सेरी, सुरत में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के एवं उक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तराल से वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में मुश्किल किए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए या छिपाने में मुश्किल किए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवधारः—

(1) बाबुलाल रत्नेश्वरदास।

(2) कीरती कुमार बाबुलाल।

(3) अनिलकुमार बाबुलाल।

डाक्टर अस्तमाराम मर्वेंट रोड,
बुलेश्वर, बांग्ले।

(4) रसिकचन्द्र धीरजलाल 'हनसोटी बिं ० न० सि०,
दुसरा मंजिला।'

(5) अनुपम एपार्टमेन्ट, भागा तालाब गंगाराम किकाभाई
मोदी, अनी बेसनत रोड सुरत।

(अन्तरक)

डायरेक्टर, "माझपा" एपार्टमेन्ट,

(1) श्री किशोरचन्द्र मगन लाल शाह, १/३८०, सोनी
फलिया, सुरत।

(2) श्री भुपेन्द्रकुमार यशवन्तलाल चितानिया, नावपुरा
कारबा रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्त्रियों के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मिलकत जो नावपुरा, लाल सेरी, "माझपा" एपार्टमेन्ट, रोड नं० ३ सुरत में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख 7-4-1981

मोहर :

प्रढप छोड़ दी० एन० ऐस०—---

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की आरा

२०३-ए(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भृष्टाचार आयकर अधिकार (नियोग)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक ८ अप्रैल १९८१

नियोग सं० ११०६ एकवी/२३-II /८१-८२—प्रत: मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की आरा २४ अप्रैल के अधीन सक्रिय प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अधीन, जिसके उचित बाजार मूल्य ₹५,०००/- वर्ष से अधिक है और

जिसकी सं० नोट नं० १७५, गनची शेरी में है। तथा जो नावापूरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्धञ्जनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन १६-८-१९८०

को 'पूर्वोत्तम सम्पत्ति' के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धूपोपूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्ना है प्रतिकृति से अधिक है और धूषरें (अन्तरकों) और अस्तरिये (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा वाया प्रतिफल, विस्त्रितियों सहेज से उक्त अस्तरक स्थिति में अस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के अधिकृत में कमी करने की उससे अधिक में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसो किसी वाय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगभाव अन्तरिती द्वारा प्रकट कर्त्ता किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधी के लिए;

कारण: अब, उक्त अधिनियम की आरा २०३-ए के अनुसार वे, वे, उक्त अधिनियम की आरा २०३-ए की उपचारा (१) के अधीन, विस्त्रित अविलम्बी, अपर्याप्त :—

(१) श्री अमबाराम नागिनदास, खुद और करता और कुनबा का मैनेजर, करन नगर सोसइटी अदाजन पाटीया। सूरत। (२) श्री हरिबाबाद अमबाराम खुद और मेनर हेमनतकुमार का रेक्टरों

(३) श्री प्रवीणचन्द्र अमबाराम (४) श्री भगवान दास प्रेम चन्द्र। (५) श्री मनहरलाल भगवान दास चावला। (६) श्री भरतकुमार भगवानदास चावला। (७) श्री विपिनचन्द्र भगवानदास चावला। (८) श्री रतिलाल प्रेमचन्द्र चावला। (९) श्री जगदीश कुमार रतिलाल चावला। (१०) श्री सुरेश रतिलाल चावला। (११) श्री छग्निलाल प्रेमचन्द्र चावला। (१२) कमला बेन प्रेमचन्द्र। (१३) श्रीमती दालिवेन प्रेमचन्द्रभाई चावला। (१४) श्रीमती रामनवन प्रेमचन्द्र चावला। (१५) श्री शान्तीलाल मगन (१६) श्री भद्रेशचन्द्र शान्ती सिलाल। (१७) श्रीमती सरस्वतीबेन मगन लाल। (१८) कुसमबेन मगनलाल (१९) कालावती बेन मगन लाल

(अन्तरक)

(२) श्री नविनचन्द्र उत्तमराम गोलबाला, (२) श्री पंज उत्तमराम गोलबाला, (३) श्री मीनाक्षी राजेन्द्र-कुमार, नावापूरा गामचीशेरी सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्द्धम के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आलोचना नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या इससम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटोहरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं० १७५, वार्ड नं० ३, गनची शेरी, नावापूरा, सुरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख १६-८-१९८० में रजिस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : ८-४-१९८१

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. दौ. एन. एस. —————

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रतीक सूचना

भारत संसदार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

मदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1981

निर्देश सं. पी० आर० नं. 1107/एफय० 23-2/81-82

—प्रत: मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और इसकी सं. वार्ड नं. 13, अतक आर० एम० नं. 7 पैकी फ्लाट नं. 2 में है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाधिदण्ड अनुसूची में और पूर्णलेख में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्णत भवितव्य के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषक भवितव्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तर जिसके लिए लब्ध वाया वया प्रतिफल निम्नलिखित उपर्य से उक्त अन्तर विविध रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशाली अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना चाहिए था, विषय में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अन्तर अन्तरितीय अधिनियम, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गमनबेन खगोलदाम कानडवाला, कानडवाला शेरी, वार्ड भवित्या, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री मतोशचन्द्रा जयनमीलाल शाह, श्री राजेन्द्रा जयनमी लाल शाह, 8/15-29, गोपिपुरा, मेथिन रोड, सूरत।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अवैन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उवैन सम्बति के अवैन के सम्बन्ध में कौई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भेजे जिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही प्रयोग जो उपर्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं. 13, अतवा, आर० एस० नं. 7 पैकी जमान फ्लाट नं. 2 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 10-4-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1108/एकवी/23-II, 81-82
—अतः मुझे मार्गीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सबम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- न० में अधिक है।

और जिसकी सं० नोंद नं० 2862, वाड नं० 2, माली मलिया है। तथा जो सामामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थि ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्राप्ति से प्रधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्भावित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम को भर्तीत करने के प्रस्तावक के दायित्व में कमी करने या नपम बनने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या ग्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्रीमती जेलिबेन, भाईलाल नानुभाई का विधवा उर्फ—ताकोरभाई मिरवाभाई,
माली मलिया, संग्रामपुरा, क्षेत्रपाल शेरी, सूरत।
(अन्तरक)

(2) (1) मोहम्मद सालीम अब्दुल हमीद,
लुहार शेरी, संग्रामपुरा, सूरत।
(2) श्री नूरबेग रसूलबेग मिरजा का पत्नी शामान बीबी
लुहार शेरी, संग्रामपुरा, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ठरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

- (क) इस सूचना के राजावार में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अवय अविक्त द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिचालित हैं, वही पर्याय दोगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

मालीलाल

मिलकत जो नोब नं० 2862, वाड नं० 2, संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-8-80 में रजिस्ट्री की गई है।

तारीख : 13-4-1981

मोहर :

मार्गी लाल
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1109/एक्यु, 23-II, 81-82--
अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 264/2 है। तथा जो कालोल में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कालोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्यावर्त्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ दें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दें कि अन्तरक के
दृश्यत्व में कमी करने था उमसे बचने में सुधार
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुधार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती (1) पटेल अवालबेन,
लल्लू भाई का विधवा,
- (2) श्रीमती शाहीबेन मानगाभाई पटेल,
उनावा, गांधीनगर,
- (3) "मावाबेन मानगाभाई पटेल,
मुनशाला,

(4) श्रीमती शारदाबेन मानगाभाई पटेल,
गांधीनगर,

(5) कानमाबेन मानग भाई पटेल, गांधीनगर,
उनावा, गांधीनगर।

(6) ईनशिराबेन मानगाभाई पटेल,
उनावा गांधीनगर

(7) विहायाबेन मनगाभाई पटेल,
मनहाल, गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) नरनारायण को आप० हाऊसिंग सोसाईटी
लिमिटेड, के द्वारा कान्ति भाई काचराभाई पटेल,
विनदुसागर सोसाईटी, योगास के पास, रेलवे स्टेशन
कालोल के मामने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही वर्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
दिया गया है।

अनुसूची

बुला जमीन जो कालोल एस० नं० 264/2, विनदुसागर
को ग्रामपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी के पास कालोल में स्थित है।
जो कलोल सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-8-1980 में
सम्पूर्ण बर्ग पर जिकी खण्ड रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 14-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं. ० पो० आर० नं. १३५५ ए० एल० क्य० २३-१/-
४१-८२—अतः मुझे मांगोलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर. जिसकी सं. प्लाट नं. 1130 है। तथा जो आर्जी इन्डिस्ट्रीजल एंगिया, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपादान अनु-
मूल्य से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 22-8-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आइ.गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्से लक्ष्मी फाउन्ड्री एण्ड क०
भागोदार द्वारा

1. चनाभाई दपेरजीभाई,
2. किशोरभाई चनाभाई
'अमृत भवन, पुनीत सोमाईटी, राजकोट

(अन्तरक)

(2) मेसर्से केमर इंजीनियरिंग वर्क्स
रामकृष्ण लीडिंग
आजावसारत, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाचियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
प्रदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

एक मकान जो जर्मान माप 1000 वर्ग गज जर्मान परखड़ा
है जिसका प्लाट नं. 1130, जो, आजी वासाप्त राजकोट में
स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकूत विक्री दस्तावेज
नं. 748 दिनांक 22-8-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 10-4-81

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा
269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कानूनी विभाग, अधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निवेदन नं. प.० आय० नं. 1356 प.० सं.० क्र० 23-I/
81-32—क्र०: नुस्खा भागीरथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विचार 'उत्तर अधिनियम' यह गया है), को धारा 269-ख के अधीन सम्पादन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिवित इविं ग्रामार्थ नूहर 25,000/- रु. से प्रधिक है

और दिवकर सं.० वर्षमान नगर का प्लाट नं. 116 है। तथा जो पेनस्ट रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय राजकोट में अधिकारी अधिनियम, 1968 (1968 का 16) के अधीन 19-8-80 को

को पुनर्जीवन दिवाने के उचित वाजार बूचा में कर के दृष्टि मन प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और नुस्खा यह विश्वास करने का कारण है कि यावूर्धा भाग ना उचित वाजार बूल्य, उसके दृष्टिमान द्वितीय न, ऐसे समान विनियम के नहीं हैं प्रतिगत स प्रधिक हैं और अन्तर्का (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण हैं लेकिं तथा याद याद विनियम तिम्हित उद्देश से इन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

(३) अन्तरण कहा जाता है कि इसको धारा 269-ग के अन्तर्कर के अन्तर्कर के शायित्व में रुपी तरे वा उत्तर वाजार में त्रिवित दिया जाता है;

(४) ऐसा किया गया कि इसको धारा 269-ग के अन्तर्कर के अन्तर्कर के शायित्व में रुपी तरे वा उत्तर वाजार में त्रिवित दिया जाता है;

वर्तमान अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम, का धारा 269-थ को उधारा (1) के अन्तर्कर लिखित अधिनियम बनाया :--

14-56GI/81

(१) श्री तोमारु हुद्दुश्वाय अम्पान्जर्ज 'आदेशरा',
कोटा शेरीनं ४ राजकोट।

(प्रन्तरक)

(२) श्री तोमारु चीनतलाल
बहलमदास पाण्डिया,
सोनी सुरेशकुमार बहलमदास पाण्डिया
7-३, पंचायत लाठ, राजकोट।

(अन्तरित)

गो यह सूचना जाती करके यूरोपी अधिकारी के अधिकार के लिए कार्यवाहिकार करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में शोई भी आवेदन :--

(क) इस पुनर्जीवन के दावेपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को अवधि या उत्तमवधि व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवधि द्वारा; या

(ख) इस सूचना के दावेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उम्म अवधि द्वारा, प्रधानस्तानी के पास दिवित में किसी द्वारा करने ;

स्वाक्षरी हरण :-- इसमें प्रदूषत भव्या और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20 क. में यथा परिभाषित है, वही अर्द्ध होगा, जो इस वस्त्राल में दिया गया है ;

अनुसूची

एह इस विवर वाला रकात जी जम्मन वाप 109-7-0
राँग दर बड़ा है। जो वर्षभाल नगरका प्लाट नं. 116
जी रेड रोड, राजकोट में स्थित है। मिलदत ला पूर्ण वर्णन
रजिस्ट्रीशन दिवाने द्वारा वर्ष 5043 दिनांक 19-8-80 में
दिया गया है।

संगीतलाल

सक्षम प्राधिकारी
नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जर्वेन रेज- , अहमदाबाद।

तारीख : 10-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप् आइ० टी॒ एन॒ एस॑—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निदेश सं० 574/गाड़ियादाद/80-81—अतः मुझे विवेक
बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उपावर गंदर्भित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसका सं० . . . है तथा जो गाड़ियादाद में स्थित
है (और इसमें उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गाड़ियादाद में,
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-8-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० महानगरीय लैन्ड एन्ड काइवेन्स प्राइवेट लि०
8वं, जनडल टेस्ट बिल्डिंग एस अली रोड न्यू देहली।
(अन्तरक)

2. मेसर्स इन्डियन होटल कं० लि० ताजो महाल
होटल अपोलो बुनडेर, बास्टे-39
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कायवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फिला भूमि 4232 वर्गगज स्थित ग्राम पसौदा पर-
गना लोनों जिंदा गाड़ियादाद जिमका उचित बाजारी मूल्य
विक्रय मूल्य (4,27832) से 25% में भां अधिक है।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-4-1981

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
 DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
 CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the April 1981

No. S-14/74-AD.V.—Dr. (Miss) S. Sivaram, Dy. Director, CSFL/C.B.I. New Delhi voluntarily retired from Government service with effect from 31-3-1981 (Afternoon).

The 15th April 1981

No. A-19036/22/78/AD.V.—The services of Shri M. H. Khan, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Bihar Police, were placed back at the disposal of Bihar State with effect from 6-4-1981 (Afternoon).

The 20th April 1981

No. A-19021/3/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. Chakravarthi, IPS (GJ-1965) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from 15-4-1981 (forenoon).

Q. L. GROVER
 Administrative Officer (E)
 C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL
 CENTRAL RFSERVE POLICE FORCE
 New Delhi-110022, the 10th April 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftekhar Unissa Begum as General Duty Officer Grade-II in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 28-3-81 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1574/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. T. K. Vijayasarthy as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th March 1981 subject to his being medically fit.

No. O.II-1575/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Sadhna Gupta as General Duty Officer Gd-II in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st April 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1576/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shailendra Sharma as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from 30th March 1981 (FN) subject to his being medically fit.

The 15th April 1981

No. O.II-1069/77-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. (Miss) Kausalya Chandrabhanji Themaskar, GDO, Grade-II of Group Central II CRPF Ajmer with effect from the afternoon of 14th March 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules 1965.

No. O.II-1573/81-Estt.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Khandelwal, IPS (UP 1953) as Inspector General of Police (IIGPs), Dte. General, CRPF, New Delhi w.e.f. 3-4-81 until further orders.

A. K. SURI
 Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
 CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 15th April 1981

No. E-16016/2/79-PFRS.—On transfer on deputation from CRPF Shri S. D. SHARMA has assumed the charge of the post of Section Officer in the office of the Director

General, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st April, 1981.

(Sd/-)
 ILLLEGIBLE
 Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR

(LABOUR BUREAU)

Simla-4, the 5th May 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 increased by two points to reach 420 (Four hundred and twenty) during the month of March, 1981. Converted to base : 1949 = 100 the index for the month of March, 1981 works out to 510 (Five hundred and ten).

A. S. BHARADWAJ
 Director

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 15th April 1981

No. 99/A.—The General Manager, India Security Press, Nasik Road hereby appoints Shri T. V. Ulhannan, to officiate as Security Officer on an *ad-hoc* basis for a period of six months from the forenoon of 28th March 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 111/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri S. R. Sharma in a substantive capacity to the post of Purchase Officer, India Security Press, Nasik Road, w.e.f. 28-3-81.

P. S. SHIVARAM
 General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (M.P.), the April 1981

No. 7(52)/482.—In continuation of this Notification No. 7(52)/7564 dated 15-10-1980, the *ad-hoc* appointment of Shri P. K. Sharma as Accounts Officer is hereby continued upto 27-2-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
 General Manager

MINISTRY OF COMMERCE

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bomaby-20, the 15th April 1981

No. EST.I-2(452)/966.—Shri M. Madurai Nayagam, Additional Textile Commissioner in this office, retired from service from the afternoon of 31st March, 1981, on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA
 Textile Commissioner

Bombay-20, the 16th April 1981

No. CER/17/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 20 and sub-clause (5) of clause 21 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/17/79 dated the 29th June, 1979, namely :

In the said notification, after the proviso below paragraph 2, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that the obligation to pack Hank yarn pertaining to a particular quarter can be fulfilled be-

fore the end of the month succeeding the quarter to which the obligation pertains".

No. 5(2)81/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 3 B of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)79/CLB.II dated the 12th July, 1979, namely :—

In the said Notification, in Paragraph 2, before Explanation I, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that the obligation to pack Hank yarn pertaining to a particular quarter can be fulfilled before the end of the month succeeding the quarter to which the obligation pertains".

M. W. CHEMBURKAR
Joint Textile Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 15th April 1981

No. 12/394/63-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. K. Mukherjee, Asstt. Director (Gr. I) (Metal Finishing) as Deputy Director (Chemical) at Branch Small Industries Service Institute, Varanasi with effect from the forenoon of 10th March, 1981, until further orders.

No. 12/690/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Majumdar, Asstt. Director (Gr. I) Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Calcutta as Deputy Director (Export Promotion) at S.I.S.I., Calcutta with effect from the forenoon of 21st March, 1981, until further orders.

No. A.19018/118/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Ahuja, Asstt. Director (Gr. I) (Electronics) Small Industries Service Institute, Jaipur as Deputy Director (Electronics) at S.I.S.I., Ahmedabad with effect from the forenoon of 26th March, 1981, until further orders.

The April 16th 1981

No. 12/709/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Sundararajan, Deputy Director (Mechanical) in Small Industry Development Organisation on his reversion from deputation with Govt. of Tanzania under I.T.E.C. Programme and on expiry of leave, as Director (Gr. II) (Mechanical) on *ad hoc* basis at Hand Tool Institute, Jullundur with effect from the afternoon of 3rd April, 1981.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 28th March 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" appearing after the word "SOLIMAX" shall be deleted.

The 13th April 1981

No. E.11(7).—In this Departments Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31-3-81" appearing after the words "WELL BLAST GELATINE" shall be deleted.

The 14th April 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) in the entry "DYNEX-I" for the figures "31-3-1981" the figures "31-3-1982" shall be substituted;
- (ii) in the entry "DYNEX-C" for the figures "31-3-81" the figures "31-3-82" shall be substituted; and
- (iii) in the entry "SALVAGEPAK" for the figures "31-3-1981" the figures "31-3-1982" shall be substituted.

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 9th April 1981

No. EI-12(16)/79-Part.—On attaining the age of superannuation Shri Dilip Kr. Das Gupta, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st March, 81.

S. K. BASU
Deputy Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG)

Calcutta-16, the 16th April 1981

No. 2026B/A-19012(3-ER/80-19B).—Shri Eashwer Rao, is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22-1-81, until further orders.

No. 2050B/A-19012(KC)/80-19B.—Shri K. Chinnuswamy is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-2-1981, until further orders.

No. 2063B/A-19012(3-RDB)/80-19B.—Shri Ram Dhan Bairwa, STA (Chem.) is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 17-1-1981 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th April 1981

No. A19011(272)/80-Fstt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sanjibon Ray to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5-2-81.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 13th April 1981

No. EI-5708/881-Officers.—In partial modification of this Office Notification No. EI-5673/881-Officers dated the 8th Dec., 1980, Dr. (Mrs.) Suneeta Nandwani, M.B.B.S. who was appointed as Lady Medical Officer, in G.C.S. Group

'B' service in Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun on a purely temporary basis on a monthly wages of Rs. 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 6-11-1980 (F/N) is also entitled to draw pay at Rs. 650/- in regular pay scale of Rs. 650-1200 w.e.f. 1-2-1981 to 3-2-1981 in terms of Ministry of Health & Family Welfare letter No. A-12026/12/78-CHS.I dated 27-1-1981 with all the allowances including Non-Practising Allowances, as admissible.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

Dehradun, the 14th April 1981

No. C-5709/718-A.—Shri M. C. Anand, Offg. Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), on ad-hoc basis in Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28th March, 1981 (F/N) vice Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation on 28th February 1981 (AN).

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing authority)

**DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING
ORGANISATION**

Calcutta-700019, the 16th April 1981

No. 29-16/77/Estt.—The under mentioned Field Officer and Senior Research Assistant are appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the date mentioned against them, until further order:—

<i>Name & Date of appointment</i>	
<i>Field Officer</i>	
1. Shri S. N. Shenoy.	10-4-1981 (F.N.).
<i>Senior Research Assistant</i>	
1. Shri Lalit Ram.	10-4-1981 (F.N.).
2. Shri Patu Ram.	10-4-1981 (F.N.).

CORRIGENDUM

The 18th April 1981

No. 35-2/80/Fatt.—In the Notification of the Government of India, Department of Science & Technology, National Atlas & Thematic Mapping Organisation No. 35-2/80/Fatt dated 24-2-1981 to be published in the Gazette of India, Part III Section 1, read "in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis" in between the words 'Scientific Officer' and 'with effect from' in the third line of para 3.

S. P. DAS GUPTA
Director

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**
Bombay-400085, the 30th January 1981

No. PA/81(12)/80-R-IV/570.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Officiating as		Date
			3	4	
1.	Shri Sankaravarier Krishnaprasad	.	.	.	Scientific Assistant (C) 1-8-80 (FN)
2.	Shri Kanisseryil Sankaranikutty	.	.	.	Scientific Assistant (C) Do.
3.	Shri Madhav Prabhakar Kulkarni	.	.	.	Scientific Assistant (C) Do.
4.	Shri Sureshchandra Bhaskar Vedak	.	.	.	Do. Do.
5.	Shri George Thomas	.	.	.	Do. Do.
6.	Shri Rajendra Kumar Gupta	.	.	.	Do. Do.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 16th April 1981

No. 5/27/68-SI.—The Director General, All India Radio has appointed Shri A. V. Rao Chowdary, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 1st April, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION**

New Delhi-1, the 24th March 1981

No. A-12025/2/79-Admn.I.—In continuation of this Division Notification of even number dated 20-12-1980, Director, Publications Division is pleased to extend the period of appointment of Shri Kula Nand, an officiating Assistant in the C.S.S. Cadre of Ministry of I & B to officiate on ad-hoc basis to the post of Hindi Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200 in the Division for a further period of six months upto 31-8-81 or till a regular candidate is appointed, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

The above ad hoc appointment will not confer on Shri Kula Nand any claim for seniority etc. in the grade of Hindi Officer.

M. M. B. S. JAIN
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th April 1981

No. A.31010/5/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Rama Krishnan in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 26th December, 1979.

The 15th April 1981

No. A.12036/34/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Miss Shikha Khanna to the post of Dietician at the Safdarjung Hospital, New Delhi for a period of 60 days from the 16th March, 1981 to the 16th May, 1981, on ad-hoc basis.

No. A.32013/3/80(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Kunwar to the post of Deputy Director in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd March, 1981 until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 30th January 1981

1	2	3	4	5
7	Shri Shrikrishna Narayan Karekar	Scientific Assistant B Do.	Scientific Assistant C Do.	1-8-80 (FN) Do.
8.	Shri Kollegalaru Viswanathan Jayachandran	Scientific Assistant (C)	—	Do.
9.	Shri Pramod Shivajirao Mohite	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)	Do.
10.	Shri Jacob John	Tradesman-F	Scientific Assistant (C)	Do.
11.	Shri Rajaram Gopalrao Hemke	Scientific Assistant (B) Do.	Do.	Do.
12.	Smt. Nagalakshmi Balasubramanian	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
13.	Shri Kochakken Abraham Prakas	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
14.	Shri Vadukkot Chicko George	Do.	Do.	Do.
15.	Smt. Sarveswathy Palmanabhan	Scientific Assistant (B)	Do.	18-8-80 (FN)
16.	Shri Haresram Harsukhram Oza	Do.	Do.	1-8-80 (FN)
17.	Shri Taranjit Singh Sohal	Draughtsman (C)	—	Do.
18.	Shri Kochuparampil Krishnan Somarajan	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	11-8-80 (FN)
19.	Shri Chandra Mani Tripathi	—	Scientific Assistant (B)	1-8-80 (FN)
20.	Shri Chokkanathapuram Venkataraman Subramanian	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
21.	Shri Rameshchandra Anant Andharikar	Draughtsman (C)	—	Do.
22.	Shri Vattezbath Divakaran Nair	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
23.	Shri Putthenmadom Krishnakartha Rajagopalan	Do.	Do.	Do.
24.	Shri Onkar Tukaram Kolha	Asstt. Foreman	Do.	Do.
25.	Shri Parameswaranachary Sivadasan Achari	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
26.	Shri Pullapparambil Muralidharan	Do.	Do.	Do.
27.	Shri Nirmel Swamidas Jagasia	Scientific Assistant (C)	—	Do.
28.	Smt. Charu Sharad Naik	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
29.	Shri Ravindra Govind Pandit	Do.	Do.	Do.
30.	Shri Vasant Shankar Agashe	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
31.	Shri Chander Mohan Khanna	—	Scientific Assistant (B)	Do.
32.	Shri Ramchandra Nathu Wani	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
33.	Shri Shantaram Tukaram Raut	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
34.	Shri Shyamsunder Vishwanath Kanetkar	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
35.	Shri John Samson Uppin	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
36.	Shri Kapal Dev Singh	Do.	Do.	Do.
37.	Shri Chatar Singh Chawla	—	Do.	Do.
38.	Shri Vishvanath Hariba Patil	Tradesman (E)	Tradesman (G)	Do.
39.	Shri Krishna Chowdappa Dawagni	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
40.	Shri Vinod Kumar Datta	Do.	Do.	Do.
41.	Shri Kavuri Sankara Vara Prasad	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
42.	Shri Dattatray Sheshagiri Divakar	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
43.	Shri Ashokkumar Gokaldas Rohra	—	Do.	Do.
44.	Shri Ramsay Gomes	Assistant Foreman	Foreman	1-8-80 (FN)
45.	Shri Trimbak Vishnu Dharmadhikari	Do.	Do.	Do.
46.	Shri Narendra Kumar Chadha	Scientific Assistant (C)	—	Do.
47.	Shri Rambilas Ramdhan Sewak	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
48.	Shri Kovaij Abraham Samuel	—	Scientific Assistant (C)	Do.
49.	Shri Dattatraya Gajanan Deshpande	—	Do.	Do.
50.	Shri Mohan Venkatesh Lokapur	—	Do.	Do.
51.	Shri Subhash Balkrishna Shirgaonkar	—	Do.	Do.
52.	Shri Bekal Prabhakar Rao	Scientific Assistant (C)	—	Do.
53.	Shri Thandalam Guruswamy Rammohan	—	Foreman	Do.
54.	Shri Shyam Ramchand Sakhrahi	—	Scientific Assistant (C)	Do.
55.	Shri Velu Thangavelu Rajendran	—	Do.	Do.
56.	Shri Shripad Raghaba Redkar	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
57.	Shri Shankar Gulabrao Bhor	Do.	Do.	Do.
58.	Shri Varadhachariar Vijayaraghavan	—	Scientific Assistant (C)	Do.

No. PA/81(12)/80-R-IV/570.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of VEC of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB with effect from the forenoon of August 1, 1980 in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale or pay of Rs. 620-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of March 1, 1981 until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Officiating as
1	2	3	4
1.	Shri Durga Prosad Das	Assistant Foreman	Foreman
2.	Shri Ganti Suryanarayana Murthy	—	Scientific Assistant (C)

The 18th April 1981

No. PA/79(11)79-R-III.—On transfer from the Madras Atomic Power Project, Shri N. V. Ramanan, Assistant Personnel Officer has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre w.e.f. the forenoon of March 26, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 8th April 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm./4598.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. G. Vaswani, a permanent Personnel Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 6, 1981 to the afternoon of May 16, 1981 vice Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 16th April 1981

No. DPS/2/15/80-Est/8487.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. Dandapani, a permanent Storekeeper to

New Delhi, the 18th April 1981

No. A. 32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	
1.	Shri S. K. Sharma	Aero. Comm. Stn. Palam	Aero. Comm. Stn., Palam	20-3-81 (FN)
2.	Shri R.K. Singla	Civil Avn. Trg. Centre, Allahabad.	Civil Avn. Trg. Centre, Allahabad.	23-3-81 (FN)

No. A. 38013/1/81-EC.—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on date and station indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Station of posting	Date of retirement
1	2	3	4
S/Shri			
1.	P. K. Dutta-I Comm. Officer	Aero. Comm. Stn, Calcutta	28-2-81(AN)

officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale or pay of Rs. 620-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of March 1, 1981 until further orders.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO : TAPP (401504), the 28th March 1981

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol. V).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned Officiating Scientific Assistants (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific/Engineer Grade SB in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the dates as indicated against them :

S. No., Name & Date of appointment as SO/Engr. SB

1. Shri J. S. Naik, 1-2-1981 (FN).
2. Shri H. N. Kansara, 26-2-1981 (FN).

D. V. MARKALE
Administrative Officer-III

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF

CIVIL AVIATION

E-I SECTION

New Delhi, the 16th April 1981

No. A-25017/1/81-EI.—The President is pleased to extend the deputation of Shri Bhawani Mal, IPS (Raj 1950) as Director of Civil Aviation Security of Civil Aviation Department for a further period of 2 years from 27-11-79 to 26-11-81 in the time scale of Rs. 2500-125/2-2750.

S. GUPTA,
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st March 1981

No. A. 32013/3/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. S. Krishnan in the Grade of Director, Aircraft Inspection in the Civil Aviation Department, for a further period of 6 months on *ad-hoc* basis beyond 23-11-80 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier.

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration

1	2	3	4
2. S. Madhu, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn. Hyder- abad	Aero. Comm. Stn. Hyder- abad	28-2-81(AN)
3. A. Jagdeshan, Senior Tech. Officer	Aero. Comm. Stn. Hyder- abad	Aero. Comm. Stn. Hyder- abad	31-3-81(AN)
4. T. R. Seshadri, Sr. Technical Officer	Aero. Comm. Stn. Bombay	Aero. Comm. Stn. Bombay	31-3-81(AN)
5. M. S. Menon, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn. Bombay	Aero. Comm. Stn. Bombay	31-3-81(AN)

1	2	3	4
6.	N. T. Vazirani, Asstt. Comn. Officer	Aero. Comn. Stn, Bombay	31-3-81(AN)

V. JAYACHANDRAN,
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 18th April 1981

No. 15/115/81-Ests.-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following persons on purely temporary and officiating capacity as Research Officer, with effect from the dates mentioned against each until further orders.

Sl. No.	Name of the officer	Post held prior to promotion	Date of appointment as Re- search Officer
1.	Sh. P. K. Bhattacharya	Asstt. Mensuration Officer (<i>Ad-hoc</i>)	28-1-81 (FN)
2.	Sh. P. S. Payal	Research Asstt. Grade-I	28-1-81 (FN)
3.	Sh. A larsh Kumar	Do.	28-1-81 (FN)
4.	Sh. V. K. Jain	Do.	28-1-81 (FN)
5.	Sh. D. D. S. Negi	Do.	28-1-81 (FN)
6.	Sh. D. K. Jain	Do.	9-2-81 (FN)
7.	Sh. R. C. Mittal	Do.	16-2-81 (FN)

RAJAT KUMAR,
Registrar,

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 8th February 1981

No. 1/81.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri M. J. Thakur, Inspector, Central Excise (S. G.) of this Collectorate, has assumed charge of the Office of Superintendent, Central Excise, Range Bhandara in the forenoon of the 9th February, 1981 relieving Shri K. E. Tale transferred.

K. SANKARARAMAN
Collector

Bombay, the 14 April 1981

F. No. II/3E-6/80.—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II, with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	Date of assumption of charge
1	2	3
1.	Shri M. R. Mulge	. . . 26-12-1980 A.N.
2.	Shri B. M. Kurup	. . . 18-12-1980 F.N.
3.	Shri M. D. Sawant	. . . 03-01-1981 F.N.
4.	Shri A. K. I. Jamadar	. . . 12-01-1981 F.N.
5.	Shri A. D. Shah	. . . 05-01-1981 A.N.
6.	Shri K. V. Lad	. . . 31-12-1980 F.N.
7.	Shri T. M. Choudhary	. . . 27-12-1980 F.N.
8.	Shri R. M. Joshi	. . . 31-12-1980 F.N.
9.	Shri K. M. Potdar	. . . 01-01-1981 A.N.

1	2	3
10.	Shri V. P. Cheloy	. . . 30-12-1980 F.N.
11.	Shri M. P. Deshpande	. . . 10-12-1980 F.N.
12.	Shri S. A. Nar	. . . 16-12-1980 F.N.
13.	Shri R. B. Shinde	. . . 14-01-1981 A.N.
14.	Shri V. R. Fot	. . . 07-01-1981 F.N.

No. II/3E-6/80.—Shri N. N. Nathani, Office Superintendent, on promotion assumed charge as 'Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-II with effect from 31-i-1981 forenoon.

No. II/3E-6/80.—The following Group 'B' Gazetted Officers (Administrators/Administrative Officer) in the Collectorate of Central Excise Bombay-II, have retired on superannuation with the mention of the dates shown against their names.

Sl. No.	Name & Designation	Date of Retirement No.
1.	Shri V. W. Chilote, Supdt.	. . . 31-1-1981
2.	Shri V. D. Kale, Supdt.	. . . 28-2-1981
3.	Shri M. A. Joshi, Admin. Officer	. . . 28-2-1981

V. K. GUPTA,
Collector,

Central Excise : Bombay-II

DIRECTORATE OF O&M SERVICES

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-8, the 18th April 1981

No. 1/81/1/123/20/78.—Shri S. D. Chandwani, Additional Assistant Director of this Directorate retired from service with effect from the afternoon of 31st March, 1981 on superannuation pension.

K. J. RAMAN,
Director of O&M Services.

MINISTRY OF ENERGY

DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 6th January 1981

No. Adm.5(7)/71.—Shri D. Tuli, officiating Executive Engineer, Coal Mines Welfare Works, Division No. 1, is confirmed in the post of Asst. Engineer (Civil) with effect from 13-10-67.

The 14th April 1981

No. P.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (4)(a) or Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1979, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints Shri S. K. Choudhury, General Manager (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad as a member of the Finance Sub-Committee constituted in the nomination No. P.8(25)/67 dated 25-12-1979 and subsequently amended via Notification dated 26-3-1979 vice Shri O. Maheepathi, then Director (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad and makes the following amendment in the said Notification viz:—

For the entry "Sl. No. 3 Shri O. Maheepathi, Director (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad" the entry Sl. No. 3 Shri S. K. Choudhury General Manager (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad" shall be substituted.

D. PANDA
Commissioner
Coal Mines Welfare Organisation
Dhanbad.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-1100022, the April 1981

No. A-19012/893/81-Adm. V.—Chairman Central Water Commission hereby accepts the resignation from government service tendered by Shri S. K. Namboori, Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from the afternoon of 26-3-1981.

A. BHATTACHARYA, Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH
STATION
PO KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-411024, the 18th April 1981

No.602/31/81-Adm.—In continuation of Notification No. 608/166/80-Adm. dated 23-2-80, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24, hereby extends the appointment of Shri V. G. Phadke, Accounts Officer, on deputation for a further period of one year with effect from 1-2-1981 to 31-1-1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. The terms and conditions of his appointment laid down in the above notification will remain unaltered.

The April 1981

No. 608/180/81-Adm.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24, hereby appoints Shri Amrik Singh Guru to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) on a pay of Rs. 650- P. M. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-1200 with effect from the afternoon of 28th March 1981.

Shri Amrik Singh Guru will be probation for a period of two years w.e.f. 28-3-1981 (AN).

M. R. GIDWANI,
Administrative Officer, CWPRS
for Director

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (West) Limited."

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29794/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (West) limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (East) Limited."

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29793/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (East) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

"In the matter of Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (North) Limited."

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29795/500(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (North) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. B. BISHNU,
Registrar of Companies,

15—56GI|81

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gujarat Offset Works Private Limited."

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 2420/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gujarat Offset Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. South Gujarat Tandel Brothers Shipping
Development Co. Private Limited."

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 1694/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. South Gujarat Tandel Brothers Shipping Development Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gujarat Marine Chemical Private Limited"

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 1994/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Gujarat Marine Chemical Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE,
Assistant Registrar of Companies,
Guarat.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Goa Aerated Waters Private Limited".

Panaji-Goa-403001, the 15th April 1981

No. 196/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, the name of the M/s. Goa Aerated Waters Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. GANVIR,
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Brilliant Roadways Private Limited"

Madras-600 006, the 15th April 1981

No. DN/5029/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Brilliant Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Marudamalai Bus Transports Private Limited."

Madras-600 006 the 15th April 1981

No. DN/5595/560(3)81.—Notice is hereby give pursuant to sub-section(3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, at the expiration of three months from the date hereof the name of Marudamalai Bus Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said company will be dissolved,

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M. R. V. Bus Service Private Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/4074/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M. R. V. BUS SERVICE PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Madras Ayurvedic Stores Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/1566/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of MADRAS AYURVEDIC STORES LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of
Nalan and Company Private Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/1878/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of NALAN AND COMPANY PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Jawahar Chit Fund Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5750/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of JAWAHAR CHIT FUND PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of
Prima Printing & Graphic Equipments Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5844/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of PRIMA PRINTING & GRAPHIC EQUIPMENTS PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Alacoque Hotel (Madras) Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5997/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of ALACOQUE HOTEL (MADRAS) PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Sri Anushiya Chit Fund Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/6012/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of SRI ANUSHIYA CHIT FUND PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Neptune Marine Enterprises Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/6146/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of NEPTUNE MARINE ENTERPRISES PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/-

ILLEGIBLE

Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 5th May 1981
CORRIGINDUM

Ref. No. CHD/142/80-81/82.—In the notice under Section 269 D(1) of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) published in the Gazette of India, Part III—Section 1 on page 5820 for the week-ending April 25, 1981, substitute "Sector 37-B, Chandigarh" in place of "Sector 15-B, Chandigarh" wherever occurring therein.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th April 1981

Ref. No. Acq./574/GBD/80-81.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Mahalakshmi Land & Finance Pvt. Ltd.,
8-B, Jindal Trust Building,
Asaf Ali Road,
New Delhi
through : Shri Des Raj Chhabra.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Hotels Co. Ltd.,
Tajmahal Hotel,
Apollo Bunder,
Bombay-39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4232 sq. yds. situated in Village : Pasonda, Pargana : Loni, District Ghaziabad, fair market value of which exceeds more than 25% of the apparent consideration of Rs. 4,27,832/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpu .Date : 13-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 13th April, 1981

Ref. No. 533/Acq./GBD/80-81.—Whereas I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Patel Ghanshyandas & Co. Pvt. Ltd., through its Attorney Shri Govinda Bhaskaran Nair, r/o 1864/4, Mahalaxmi Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta, Proprietor of M/s. Modern Paper Product, r/o 54, New Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 10 and building standing theron at a and Industrial Estate, G. T. Road, at Vill. Arthala, Teh. Ghaziabad : Distt. Ghaziabad, fair market value of which exceeds more than 25% of the apparent consideration of Rs. 2,20,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-4-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Tejinder Singh
s/o Jaswant Singh,
Anand Bhavan,
Civil Lines,
Gullunder City.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur
w/o Inder Singh,
Smt. Harcharan Kaur
w/o S. Gurnam Singh,
Smt. Iqbal Kaur
w/o S. Amarjeet Singh,
Smt. Inder Jeet Kaur
w/o S. Balbir Singh and
Smt. Amrit Paul Kaur
w/o Janghadur Singh
r/o A-3, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1033.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. A-39, situated at Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on August, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 508.5 sq. yds. half portion of Plot No. A-39
Kailash Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/958.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jage Ram
s/o Shri Sibba,
adopted son of Shri Fakira,
r/o Village Deoli, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1 Bigha and 19 Biswas comprised in Khasra No. 659 (1-19), in village Deoli.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi
Date : 15-4-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-J/S.R.-III/8-80/957.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ishwar Singh and Dayanand for Self and Attorney for Smt. Saroopi wd/o Sh. Sibba, Smt. Ram Murti and Smt. Kasturi daughters Shri Sibba, Shri Mohinder Singh and Shri Rajinder Singh sons of Shri Ragbir Singh, all resident of Village Deoli.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 Bighas and 13 Biswas comprised in K. Nos. 658 (2-12) and 670 (1-01) in Village Deoli.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No' I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/956.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sardar Singh,
Bharat Singh
sons of Shri Lal Chand;
Balbir Singh,
Sukhbir Singh and
Baljit Singh
sons of Shri Sudhan;
Rajinder Singh,
Puran Singh,
Tara Chand
sons of Shri Klli Ram
all residents of Village Dooli.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Biswas comprised in Khasra No. 670/1, in Village Deoli.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.
Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1034.—Whereas
I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-39, situated at Kailash Colony, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—56GI/81

(1) S. Tejinder Singh
s/o Jaswant Singh,
Anand Bhawan,
Civil Lines,
Jallandher City.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur
w/o Inder Singh,
Smt. Harcharan Kaur
w/o S. Gurnam Singh,
Smt. Iqbal Kaur
w/o S. Amarjeet Singh,
Smt. Inder Jeet Kaur
w/o S. Balbir Singh and
Smt. Amrit Pal Kaur
w/o Jangbadur Singh
r/o, A-3, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 508.5 sq. yds. half portion of Plot No. A-39, Kailash Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1061.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.Shop No. 10 Block M situated at Greater Kailash-I,
New Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August, 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Kapur
s/o late Shri Jagan Nath Kapur and
Smt. Kailash Kumari
w/o Shri Ram Kapur
r/o H-31, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Daksha Shanker
minor daughter of Shri Bhawani Shanker
r/o 53, Golf Links,
New Delhi-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULEShop No. 10, Block 'M' land measuring 163.05 sq. mts.,
Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/992.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-279, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Major Jagjit Singh Ahluwalla,
S/o Shri Harbilas Rai,
permanent R/o R-25, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Dilli Dhanuka,
w/o Shri Banwari Lal Dhanuka,
r/o E-560, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M-279, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Area : 400 sq. yds.) (About 334.5 sq. mts.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.I/S.R.-III/8-80/1049.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/- and bearing

No. E-482, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. D. Jain,
s/o Late Shri Srichand Jain,
r/o E-66, Ansari Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Satya Pal Aggarwal
s/o Shri Nanak Chand and
2. Smt. Usha Rani Aggarwal,
w/o Shri Satya Pal Aggarwal,
r/o E-482, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-482, Greater Kailash-II, New Delhi-48
(Area 550 sq. yds.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1048.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-61, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Dutt Sharma
s/o Yagga Dutt Sharma
r/o J-18, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Mohan Singh
s/o S. Rattan Singh
and Amrik Singh
s/o Mohan Singh of
C-61, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-61, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/974.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 21 situated at Commercial Complex, G. K.-II, New Delhi-110048
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) D. L. F. Builders,
21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Amnik Singh
2. Shri Pyara Singh and
3. Shri Harbans Singh,
ss/o of Shri Narayan Singh,
C-38, N.D.S.E., Part-II, New Delhi-110041.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048. (Area 651.22 sq. ft.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1035.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Mehrauli, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dev Pratap Singh
s/o I. P. Singh
R/o D-48, Hauz Khas, New Delhi
through his general attorney Shri I. P. Singh
s/o Khem Chand
r/o D-48, Hauz Khas, New Delhi &
Shri M. P. Singh
s/o I. P. Singh
r/o D-48, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Shri Hari Krishan Soni
s/o Lala Ami Chand Soni;
Vijay Kumar Trehan
s/o Late Shambhu Nath Trehan,
Ajai Kumar Trehan,
Vinay Kumar Trehan
s/o Shambhu Nath Trehan,
r/o C-3/4, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 14 bighas and 9 biswas, M. No. 29, killa No. 11 (4-11), 12 (4-16), 13 (2-16), 26 (0-10), M. No. 30, killa No. 15/2 (1-16), situated in Mehrauli, New Delhi, with tube well.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-NI/8-80/1160.—Whereas, I
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. F/58, situated at Green Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Isher Dass Beri
s/o Late Shri Radha Kishan Beri,
E-146, Malviyanagar,
New Delhi.

(2) Rev. K. T. Thomas
s/o Shri Thomas,
F/58, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. F/58, Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1099.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-33, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Toshi Beri,
 Sanjiv Beri,
 B. K. Beri,
 32, Gross Road,
 Bareilly Cantt. (U. P.),
 At present—N-33, Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Evangelical Lutheran Church
 in Madhya Pradesh,
 Luther Bhavan, E. L. C.,
 Chindwara in M. P.
 Through Executive Secretary U. Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. N-33, Greater Kailash-I, New Delhi. 300 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 17—56 GI/81

Date : 15-4-1981
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1031.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 143-144 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Motia Rani
w/o Dewan Karam Narain
r/o 141-142, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj
s/o Shri Mala Ram Madan &
Smt. Krishana Madan
w/o Shri Des Raj Madan
r/o 16/73, Gali No. 3, Joshi Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Govt. Bldt Qr. Nos. 143-144, New Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS, BHAWAN
I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1012.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-149 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Kailash Aggarwal &
Mrs. Lila Wati,
A-1/22, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sanjit Construction (Delhi) Pvt. Ltd.,
M-103, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. M-149, measuring 400 sq. yds. 334.45 sq. mtrs., situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS
BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1040.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2, situated at Sunder Nagar Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. (Mrs.) M. B. Kagal,
Wd/o Late Shri B. R. Kagal,
r/o 10, Ivan Hoe,
81, Cadell Road,
Mahim, Bombay-400016,
now at present staying at Kagal Memorial Hall,
East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan Dass,
s/o L. Nathu Ram,
r/o 2, Sunder Nagar Market,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building with a Barsati on the top floor, built on a plot No. 2 measuring 1350 sq. ft. situated at Sunder Nagar Market, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1041.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion No. 204 (2nd floor) situated at D.L.F. House, 40-F, Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

New Delhi-110001.

1. DLF United Limited, 21-22, Narind Place, Parliament Street
(Transferor)

(2) 1. Shri Ram Kanwar,
2. Shri Ishwar Singh,
3. Shri Ram Bhagat and
4. Shri Krishan Chander
sons of Shri Ram Sarup,
c/o M/s. Ram Sarup, Ram Bhagat,
D.C.M. Store, Sampla Mandi,
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 204, 2nd Floor, Front Portion, D. L. F. House 40-F, Connaught Place, New Delhi (Area : 492.35 sq. ft.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nihal Chand,
8-E, Sadar Thana,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pritpal Kaur Tandon and
Master Jaspal Singh Tandon,
90/67, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1043.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90/67, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 90/67, Malviya Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-II/8-80/1047.—Whereas I. R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-86, situated at New Delhi South Extension-I, New Delhi-110049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohan Lal
r/o V. & P. O. Sujjon,
Tehsil Nawan Sahar,
Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferor)

(2) Smt. Veena Arora,
C/o 823/1, Visakha Singh Building,
Joshi Road,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 200 sq. yds., 2-1/2 storeyed building, E-86, New Delhi South Extension-I, New Delhi-110049.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1012.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-316 situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hazoor Singh and Smt. Satnam Kaur through Shri Inder Singh, G.P.A. House No. 4351, Rehgarpura, K. Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Bindra,
25, Ringroad, Lajpat Nagar, 4, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

E-316, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 250 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sanjogta Morada and
Mrs. Shyam Morada.

(Transferor)

(2) M/s. Capital Limited,
19, R. N. Mookherjee Road,
Calcutta-700001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1050.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-19, situated Defence Colony, New Delhi-24 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at B-19, Defence Colony, New Delhi-24.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—56GI81

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1058.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-501, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sant Ram
s/o L. Shri Bodh Raj
r/o D-80, Gulmohar Park,
New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil Kumar Sehgal
s/o Shri M. R. Sehgal
(1/3rd share),
2. Smt. Krishna Nirula
w/o Shri J. C. Nirula
(2/3rd share),
both residents of D-289, Defence Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. E-501, measuring 248 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1060.—Whereas, I,
L. AGGARWAL
 being the Competent Authority under Section 269B,
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason
 to believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 A-1/62-63, situated at Safdarjang Enclave Development
 Scheme, New Delhi
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at New Delhi on August, 1980
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dr. Vinod Ray Gami
 s/o Shanti Lal Gami
 r/o 23/3, Hospital Road,
 Shakti Nagar,
 Delhi-7

(Transferor)

(2) Shri Uma Shanker Khanna
 s/o Shri G. S. Khanna,
 A-1/56, Safdarjang Enclave,
 New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer,
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A-1/62-63, Safdarjang Enclave Development Schemes, New
 Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range I, New Delhi

Date : 15-4-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
 namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/6862/Aug. 80.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 141 Block-I situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jagdish Kaur
w/o Shri Kahan Singh
r/o 1/141 Kirti Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) 1 Shri Mohinder Lal,
2 Shri Jia Lal
3 Shri Surinder Kumar
4 Shri Harish Kumar
sons of Shri Bakshi Ram
r/o J/32, Kirti Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 141 in Block I, Measuring 200 sq yds situated in the colony Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/8-80/6861.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 51, Block F situated at Bali Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Dhaja Ram
 s/o Shri Suraj Bhan alias Surjan
 r/o H. No. 2422, Tri Nagar,
 Ganeshpura, Delhi-35

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Chawla
 s/o Shri Sham Dass Chawla
 r/o 279, Kacha Tahar,
 New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Block F of K. No. 3996/2496/1929/2, situated in the abadi known as Bali Nagar, area of Village Bassai Darapur Delhi (Measuring 200 sq. yds.).

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq -II/S. R.-I/Aug-80/6841.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H No 30, Block C situated at Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Chiranjit Lal
s/o L Mool Chand
r/o V- & P. O. Kilrodh,
Teh Jhajjar, District Rohtak,
(Haryana)

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Chopra
s/o Shri Jiwan Dass Chopra
r/o 4532 Arya Pura, Subzi Mandi,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

H. No. 30 Block C on Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi
area 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/Aug.-80/6832.—Whereas J, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 746-748 (new)/403-A (old) situated at Church Mission Road, Sarai Ahmedpali, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhagirath Lal
s/o L. Shri Banwari Lal
Karta of his H.U.F. Bansari Lal & Sons,
A-1/39, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Yash Pal Malhotra
S/o Laxmi Narain Malhotra,
D-87, East of Kailash, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. 746-748 (new)/403-A/(old) in ward No. III Church Mission Road, Sarai Ahmedpali, Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3624.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Haibat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal
s/o Shri Hari Ram,
r/o 29 Parsu Ram Mandir Gali,
Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Kapoor,
s/o Shri K. N. Kapoor,
27-B, Basant Lane, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 bighas and 3 biswas of village Haibat Pur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-J/Aug. 80/6817.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

30/73 situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

19—56GI/81

- (1) 1. Smt. Lajwanti
Wd/o Shri Gobind Lal
2. Shri Bishamber Lal and
3. Shri Mahinder Pal
Ss/o Shri Ladha Ram
all r/o 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferors)

- (2) 1. S. Nand Singh
s/o Shri Lubhaya Ram
2. S. Jasbir Singh Kumar
r/o 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property No. 30/73, Punjabi Bagh, New
Delhi (Western Portion) 545 415 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6793.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-124 & C-125 situated at Kirti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Joginder Pal Gupta
2. Shri Jugal Kishore Gupta and
3. Manohar Lal Gupta
ss/o Shri Hans Raj Gupta
r/o C-124, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferees)

(2) Shri Chaman Lal Bhasin
s/o Shri Ganpat Rai Bhasin
r/o 32/18, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house part of plot No. C—124 and [—]125 measuring 187-1/2 sq. yds. at Kirti Nagar, area of Village Bassai Dara Pur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/8-80/6813-A.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. V/147-148 situated at Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Deep Chand Ram Dass & Sons
A/6, My Fair Garden,
New Delhi,

(through its partners

1. Shri Ghanshyam Dass
2. Shri Kanhaiya Lal
3. Shri Mahinder Lal
S/o Shri Deep Chand &
4. Smt. Vishana Devi
Wd/o Shri Deep Chand,

(Transferor)

(2) 1. Shri Harbhajan Singh and
2. Shri Kulbir Singh
S/o Shri Santokh Singh
r/o 5/56, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

82·84% share of Shop No. V/147-148, Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6847.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/6 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rishi Devi Kapoor
w/o Shri B. D. Kapoor
r/o Flat N 5/3, Block 'O',
Sector No. 13, R. K. Puram,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Vinod Bhatia and
2. Parmod Bhatia
minors Ss/o Shri K. L. Bhatia
r/o 14/6, East Patel Nagar,
New Delhi
through Shri K. L. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 14/6, East Patel Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash Chopra
s/o L. Gopal Dass
32/44, Punjabi Bagh,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Harminder Singh Gulati
s/o Shri Kishan Singh Gulati
r/o 32/44, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug.-80/3702.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/44 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 32/44, at Punjabi Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug.-80/3690.—Whereas,
I, R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot A-167 situated at Inderpuri, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Parkash Uppal
s/o Lal Chand Uppal
r/o R-200 Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kainth
w/o Sohan Lal Kainth
r/o C/o Tarsem Lal,
15 Panchkuan Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property on Plot No. A-167, Inderpuri, New Delhi measuring 200 sq. yd. Mouza Naraina, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A.C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3682.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Bakauli, Delhi Khatta Khatauni (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh Khera
s/o L. Shri Bichitter Singh Khera
r/o D-28, N.D.S.E.I., New Delhi,

(Transferee)

(2) 1. Shri Sher Jang Barry
2. Shri Inder Lal Barry
3. Shri Vrinder Lal Barry
S/o Shri S. L. Barry
4. Smt. Ka. Barry
w/o Shri S. Jang Barry
5. Smt. Usha Barry
w/o Shri I. L. Barry and
6. Smt. Veena Barry
w/o Shri V. L. Barry
all r/o 5/6, Roop Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 53 bighas, 16 biswas, Village Bakauli, Delhi Khatta Khatauni.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3680.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. C-9, situated at Village Naraina, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Delhi on August, 1980
 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property
 and I have reason to believe that the fair market value of
 the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Krishna Kanta Kapur
 w/o Shri Madan Lal Kapur,
 r/o H. No. C-9, Inderpuri Colony,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sumnesh Kumar
 s/o Shri Rattan Lal
 r/o H. No. C-52, Naraina, Vihar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1-1/2 storied house bearing No. C-9 out of Khasra No. 1650, situated in the area of Village Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3679.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 70 Block J-3 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash
s/o Shri Lachman Dass
r/o 1921, Sector 9,
Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Nath
s/o Shri Nand Ram and
Shri Sewa Ram
S/o Shri Dwarka Nath
J-3/70, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1-1/2 storey house built on plot No. 70 in Block J-3, mg. 160 sq. yds, Rajouri Garden, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—56GI/81

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C. Acq.-II/S.R.-II/Aug. 80/3678.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 41, Road 41 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harbhajan Singh
s/o Shri Kirpal Singh
Smt. Joginder Kaur
w/o Shri Harbhajan Singh
r/o 41/41, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nanaksar Ashram Siahar,
Distt. Ludhiana,
through its Trustee S. Kanwaljit Singh,
s/o S. Gurbakash Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

D. S. building on Plot No. 41, on Road 41 mg. 2222-22 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) East India Hotels Ltd.

(Transferor)

(2) Prithi Pal Singh Lamba (Karta)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6812.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cottage No. 9 situated at 2, Shamnath Marg, Delhi-110054, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Oberoi Cottage No. 9, Oberoi Apartment, 2, Shamnath Marg, Delhi-110054.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Basant Singh
s/o Shri Hakam Singh
r/o H-32, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Kaur Sethi
w/o Shri Jaspal Singh
r/o J-3/68, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6791.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3-2 Block H situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1-1/4 storeyed house built on plot No. 3-2 in Block 'H' (II-32), situated at Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S R.-II/Aug.-80/3639.—Whereas I
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27, Road 40 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hira Nand
s/o Shri Chaman Lal,
Shri Ram Dass
s/o Shri Chaman Lal and
Smt. Shakuntla Malik
w/o Shri Ram Lal Malik
r/o 27/40, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anuj Kumar Bhalla
s/o Shri A. P. Bhalla
Smt. Krishna Bhalla
w/o Shri A. P. Bhalla,
r/o A-2, Anand Parbat,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House on Plot No. 27, on Road No. 40 measuring 360.29 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S R.-II/Aug. 80/3640.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-111 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Brijendra Nath Mithal
s/o Shri Babu Lal
r/o B-7, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Hari Singh
s/o Shri Mehar Singh
r/o WZ-2-B, Vishnu Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free hold vacant plot, bearing plot No. C-111 measuring 500 sq. yds. situated at Inderpuri, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6811.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. B-5/4 situated at Model Town near Kingsway Camp Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Basant Lal Tandon
s/o Shri Ladha Ram Tandon
r/o No. 3110, Sir Syed Ahmed Road,
Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Lajwanti Kapoor
w/o Shri Sham Sunder
2. Shri Surinder Kumar Kapoor
3. Shi Mahinder Kumar
4. Shri Virender Kumar
5. Shri Vijay Kapoor
s/o Shri Sham Sunder
r/o No. B-5/4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-5/4, (plot No. 4, block 5) in Model Town near Kingsway Camp, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/8-80/6866.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-93-A, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Har Kaur
w/o Shri Dayal Singh
t/o J-93-A, Rajouri Garden,
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Rani
w/o Shri Parshotam Lal
r/o A-106, Vishal Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. J-93-A, measuring 184 sq. yds. in colony of Rajouri Garden, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/8-80/6860.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5/1 Block 41 situated at Roshanara Ext. Scheme, on Singh Sabha Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Sahai
s/o Shri Gehla Ram
r/o 41-5/1, Singh Sabha Road, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Gur Sahai and Ram Saran
S/o Shri Gehla Ram
r/o 41-5/1, Singh Sabha Road,
Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share (undivided) out of—Building built on plot of land No. 5/1 in Block No. 41, Roshanara Extension Scheme, situated on Singh Sabha Road, Delhi measuring 340 sq. yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—56GL/81

Date : 20-4-1981

; Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Nc Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3701.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. AL/7 situated at Hari Nagar, Tihar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Chaudhary Jai Narain
s/o Chaudhary Bhagwan Dass,
2872, Tibar Market,
Teliwara, Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Dayal
s/o Prithvi Singh,
4238 Gali Bahuji,
Pahari Dhiraj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. AL/7, Khasra No. 84, Block L, measuring 400
sq. yd. situated at Hari Nagar, Tihar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/8-80/6880.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4800-4801 situated at Ram Bazar, Cloth Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Banwari Lal,
s/o Shri Ram Chander,
t/o C/o Ganesh Lal Kishori Lal,
Ram Bazar, Cloth Market,
Delhi
through Shri Ram Chand Saraf,
G. A. (Regd.).

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi,
Ajay Kumar,
Anil Kumar,
Arun Kumar,
w/o and s/o Shri Jagdish Parshad,
all resident of Belan Ganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 4800-4801, situated at Ram Bazar, Cloth Market, Delhi, measuring 60 sq. yds. double storey.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3652.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 135/136 Block C situated at Village Jawalahari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satish Kumar Malhotra,
41-A, MIG Flats, Pocket C,
Phase-II, Ashok Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar,
Railway Road,
Bahadurgarh, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 135/136, Block-C, out of Khasra No. 1/16/2, in Village Jawalaheri, in the abadi of New Multan Nagar, New Delhi measuring 373-1/3 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/Aug.-80/6829.—Whereas I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Oberoi Duplex-19, Block-C-3 situated at Oberoi Apartment, 2, Shamnath Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) The East India Hotels Ltd.,
4, Mango Lane,
Calcutta-700001.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali Sibal and
Mr. Rabinder Kumar Sibal,
Hotel Oberli Palace,
Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Oberoi Duplex-19 in Block C-3 with lawns situated at Oberoi Apartments 2, Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi-54.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3685.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agriculture land situated at Village Sahibabad, Daulat Pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Virender Singh
s/o Sher Singh
r/o V. & P. O. Sahibabad, Daulat Pur,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jhalam Udyog Pvt. Ltd.,
3641, Lohewali Gali,
Chawri Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha K. No. 395 of Village Sahibabad, Daulat Pur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3662.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) M/s. Chand Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Arun Chopra
s/o A. R. Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 5 biswas M. No. 21.
Killa No. 13, Village Najafgarh, New Delhi.R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, New DelhiDate : 20-4-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi 110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3662.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran P. Chopra
w/o Shri Pramod Chopra
r/o 6/20, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, M. No. 21, Killa No. 24, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3668.—Whereas I,
 R. B. L. AGGARWAL
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agr. land situated at Village Najafgarh, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed here-
 to), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 at Delhi on August, 1980
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the object
 of :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
 41-Pusa Road, New Delhi
 through Chand Parkash and
 through general attorney Santosh Kumar
 s/o Gokal Chand
 r/o 12-A Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Vinod Chopra
 s/o A. R. Dhopra
 r/o 6-B Anand Niketan,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas M. No. 34,
 Killa No. 3, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—
 22—56GI/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3669.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. India Crafts,
2E1/, Swami Ram Tirath Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 bighas and 5 biswas M. No. 34, Killa No. 2 (4-16), M. No. 21, Killa No. 22/2 (2-9), situated in village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3667.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash and
general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Village Crafts,
2E/1, Swami Ram Tirath Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 7, M. No. 34, situated in village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3666.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons
41-Pusa Road,
New Delhi,
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Chopra
w/o Vinod Chopra
r/o 6B, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas Mastatil No. 34, Killa No. 4, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash &
through general attorney
Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Chopra
s/o Shri A. R. Chopra,
r/o 6/20, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/SR.-II/8-80/3664.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village: Najafgarh, Dc (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, M. No. 21 Killa No. 23, village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Sgl :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3665.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road,
New Delhi
through Chand Parkash &
through attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Chopra
w/o Shri Arun Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 12 biswas M. No. 21, Killa No. 17, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(1) Arun Chopra
s/o Shri A. R. Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 13 biswas, Khasra No.
18/1, M. No. 21, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 2nd April 1981

C. R. No. 62/27855/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 181/2, T. S. No. 117/2, & Door No. 4-6-610 situated at Kodialbail Village, Kodialbail Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City Document No. 559/80-81 on 14-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Raja Ganesh Shenoy,
S/o K. Nagesh Shenoy
Canara Bank, Nariman Point Branch,
Bombay-21
by his Special Power of Attorney holder
Shri A. Laxman Kamath,
S/o A. Ramachandra Kamath,
Dongerkery, Mangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramachandra Shenoy,
S/o K. Keshava Shenoy,
Merchant, Bunder,
Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 559/80-81 dated 14-8-1980)
All that property bearing R. S. No. 181/2, T. S. No. 117/2 and Door No. 4-6-610 situated in Kodialbail Village, Kodialbail Ward, Mangalore City.

Bounded by

On North : D. L. Lane
On South : Survey Lane
On East : Portion of T.S. No. 117/2
On West : Portion of T.S. No. 117/2

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28318/80-81/Acq./B.—Whereas I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 737, situated at Laxman Buildings, Chickpet Crossroad, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2453/80-81 on 18-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—56GI/81

(1) Shrimathi Ambamma
w/o Late B. N. Ranganatha Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road,
3rd Shop Lane Basavangudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Bipinchandra A. Mehta,
S/o Late Anoopchand R. Mehta,
No. 737, Chikkapet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

(3) Shri Jayanthi Lal R. Shah,
No. 737, Chikkapet Cross Road,
Bangalore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2453/80-81, dated 18-9-1980)
All that property bearing No. 737, Laxman Buildings, Chickpet Cross Road, Bangalore City.

Bounded by :

On North : N. Sampathkumar's property

On South : Common passage.

On East : No. 738, belonging to Shri Nareshchandra A. Mehta.

On West : Chikkapet Cross.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28319/80-81/Acq.-B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 740, situated at Laxman Buildings, Chikkapet Cross Road, Bangalore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2454/80-81 on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ambamma,
W/o Late B. N. Ranganatha Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road, 3rd Shop Lane,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Dhanvant Kumar A.,
S/o Late Anoopchand R. Mehta,
No. 740, Chikkapet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

(3) 1. Shri P. Laxmaiah Shetty & Sons
2. M/s. Ramakrishna Commercial Corporation,
No. 740, Chikkapet Cross Road,
Bangalore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2454/80-81, dated 18-9-1980

All that property bearing No. 740, situated at Laxman Buildings, Chikkapet Cross Road, Bangalore City,

Bounded by :

On North : Property belonging to Sri N. Sampath Kumar.

On South : Common passage.

On East : Sri N. R. Talgades's property

On West : No. 739, belonging to Sri Harshad Rai A. Mehta.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore, the 3rd April, 1981

C. R. No. 62/28320/80-81/Acq.B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 748, situated at Laxman Buildings, Chickpet Cross Road, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2455/80-81 on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ambamma,
W/o Late B. N. Ranganatha Rao
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road,
3rd Shop Lane Basavangudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chandra A. Mehta,
S/o Late Sri Anoopchand R. Mehta,
No. 738, Chickpet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

- (3) 1. Sri K. C. Narasimha Murthy,
No. 738, Chickpet Cross Road,
Bangalore.
2. Shri C. N. Char, No. 737 to 739,
Chickpet Cross Road,
Bangalore.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2455/80-81, dated 18-9-1980)

All that property bearing No. 738, situated at Laxman Buildings Chickpet Cross Road, Bangalore City.

Bounded by :

On North : Property belonging to Sri N. Sampath-kumar.

On South : Common passage.

On East : Property No. 739, Belonging to Sri Harshad Rai Mehta.

On West : Property No. 737, belonging to Sri Bipin Chandra A. Mehta.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28321/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

739, situated at Laxman Buildings, Chickpet Cross Road, Bangalore City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Document No. 2456/80-81 on 18-9-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ambamm
W/o Late B. N. Ranganath Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
IInd Main Road,
3rd Shop Lane, Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Sh. Harshad Rai A. Mehta
S/o Late Anoop Chand R. Mehta
No. 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

(3) 1. Tenants 1. Mothilal Husanlal & Co.,
No. 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore.
2. C. N. Char,
No. 737 to 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2456/80-81, dated 18-9-1980.

All that property bearing No. 739, situated at Laxman Buildings Chickpet Cross Road, Bangalore City.

Bounded by :

On North : Property belonging to Sri N. Sampath Kumar.

On South : Common passage.

On East : Property No. 740

On West : Property No. 738.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th April 1981

Ref. No. IJI 483/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 4, Touzi No. 14849, Khata No. 103, Ward No. 33, Circle No. 246 situated at Dujra, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 21-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Laloo Lal Chaudhary
S/o Late Dwarika Prasad Chaudhary,
Self and on behalf of minor sons
Raj Kishore Jayswal and
Brj Kishore Jayswal
resident of Mohalla Dujra,
P. O. G. P. O. P. S. Budha Colony, Patna Town,
Patna.

(Transferor)

(2) Shri Raj Nath Singh
S/o Late Shri Sital Singh,
resident of Village Dariapur Prem,
P. O. Masaurha, P. S. Paliganj,
Distt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home stead land measuring 2 Kathas 1 dhur and 5 dhurki situated at Dujra P. S. Budha Colony, Distt. Patna more fully described in deed No. 6294 dated 21-8-1980 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-4-1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna, the 18th April 1981

Ref. No. III-484/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 12, Khasra No. 187 situated at Shadikpur Yogi, P. S. Kankarbagh, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 11-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kuldeep
S/o Late Shri Mangal Prasad Yadav,
R/o Village Bariskhan Talab,
Kumhrar, P. S. Sultanganj,
Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Gupta
S/o Shri Om Prakash Gupta
R/o Jagat Narain Road,
P. S. Kadam Kuan,
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 15 decimals situated at Mohalla Shadikpur Yogi, P. S. Kankarbagh, District Patna more fully described in deed No. 6133 dated 11-8-1980 registered with D. S. R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 18-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Bibhuti Bhushan Bhattacharjee

(Transferor)

(2) Pratima Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1981

Ref. No. 895/Acq. R.-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/216 situated at Gariahat Road (South), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area 2 K. 9 Ch. 18 sq. ft. being premises No. 1/216, Gariahat Road (South) Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Sahadeb Biswas

(Transferor)

(2) Radheshyam Paul

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 7th April 1981

Ref. No. A.C.-8/R-IV/Cal./81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 213, situated at Champapuria

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandpara on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the two parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 Kh. 18 Kh. of land situated at 213 Champapuria, Mouja more particularly as per Deed No. 4137 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Ajit Kr. Chakraborty

(Transferor)

(2) Mani Kuthi Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1981 ,

Ref. No. 898/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45C/1J/1, and 45C/1J, situated at Moore Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring total area 8 K. 3 Ch. 25 Sq. ft. being premises No. 45C/1J/1, and 45C/1J, Moore Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24 — 56 GI/81

Date : 15-4-1981

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bithi Banerjee

(Transferor)

(2) Mani Kuthi Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April, 1981

Ref. No. 899/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

45 situated at Moore Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area 6 K. 10 Ch. 15 Sq. ft. being premises at 45, Moore Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Raji Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

BER SECTION 269B(I) OF THE
TAX ACT 1951 (43 GE 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "Anjiparambil Bldgs",
Anand Bazar, Cochin

Cochin-682016, the 9th April, 1981

Ref. L. C. 482/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Trichur on 2nd August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Mrs. Leelamma
 2. Smt. Geetha Menon
 3. Smt. Maythini Menon
 4. Smt. Kamini Menon } Cherandath House,
 } Padinjare Chira Road,
 } Trichur.

(2) M/s. Hotel Seven Hills (P) Ltd.,
Trichur-2
represented by the Director.

(Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

26 cents of land in Sy. No. 2030/1 and 2030/2 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority

Date : 9-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 9th April, 1981

Ref. No. L. C. 501/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 11th August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Thankom Amma,
W/o Shri Cherkkal Vikraman Nair
Poonthunnam Desom,
Trichur-2.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramakrishnan,
Pulari, Punkunnam,
Trichur-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

8.75 cents of land with building in Sy. No. 1884/15 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Achamma Varkey,
Ellukalayil,
Seaview Ward,
Kadapuram,
Alleppey.

(Transferor)

(2) Shri P. J. Joseph,
Puthenparambil,
Factory Ward,
Alleppey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th April 1981

Ref. No. L. C. 502/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 28th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

54 cents in Sv. No. 289/4B, 289/3/2 and 289/7/2 of Alleppey Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th April, 1981

Ref. No. L. C. 503/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Alleppey (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 28th August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kurien,
S/o Shri Varkey,
Ellukalayil,
Seaview Ward,
Kadapram, Alleppey.

(Transferor)

(2) Shri P. J. Joseph,
Puthenparambil,
Factory Ward,
Alleppey

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed No. A. M. C.-W-24/4 in Sy. No. 289/7/2 of Alleppey Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Ambadi Karthyayini Amma,
2. Smt. Malathi Amma,
3. Smt. Nalini Amma &
4. Smt. Jayadevi Amma,
Vijayavilas,
Convent Road,
Ernakulam.

(Transferors)

- (2) Smt. S. Bala,
House No. XXXV/438/2,
Warriam Road,
Ernakulam.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th April, 1981

Ref. No. L. C. 504/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 11-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.725 cents of land with a two storied building in Sy. No. 1229/1 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th April, 1981

G. I. R. No. R-154/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 90-A situated at Tagore Town, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 7-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dadu Jagdish Prasad Singh

(Transferor)

(2) 1. Smt. Rama Verma

2. Shri Sarvesh

3. Shri Rajesh

4. Shri Devesh

5. Shri Anish (Minor)

(Transferees)

(3) Shri B. Majumdar (Tenant)

and three others (unauthorised).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House No. 90-A, situated at Tagore Town, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3228, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 7-8-1980.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Lt. Colonel Kamal Krishn Verma
R/o 135, Model Town
East Ghaziabad,

(Transferor)

(2) Smt. Manjoo Misra
W/o Hargovind Misra
R/o 118/256, Kaushal Puri, Kanpur
At present : C/o Hargovind Misra
Resident Engineer,
P.W.D., Hardoi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1981

G. I. R. No. M-113/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H.I.G. 67 situated at Aliganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. H. I. G-67, Aliganj, Lucknow, lease-hold. Total area 2852.50 sq. feet and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 5154/80 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 22-8-1980.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—56GI-81

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
Lucknow, the 22nd April, 1981

G. I. R. No. K-98/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 289/211/1, Moti Nagar situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Pratap Singh,
S/o Shri Risal Singh
R/o 'Amar Kunj',
Moti Nagar, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Kundi Bai Assoomal
W/o Shri Assoomal
R/o H. No. 23, Khiyaliganj,
Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eastern portion of double storeyed house bearing Municipal No. 298/11/1 constructed over lease-hold plot No. 369A (including building and land) situated at Moti Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5319 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April, 1981

G. I. R. No. K-99/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

498/200, Bishop Rockey Street situated at Faizabad Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 24-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Faith Roy
W/o Late Shri G. C. Roy
R/o H. No. 498/200 (First Floor)
Bishop Rockey Street,
Faizabad Road,
Lucknow.

(Transferor)

(2) 1. Dr. K. D. Verma
S/o Dr. H. D. Verma
2. Mrs. Sunita Verma
W/o Dr. K. D. Verma
Residents of H. No. 498/200 (Ground Floor) Bishop Rockey Street,
Faizabad Road,
Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 498/200 built up on lease-hold plot No. 7 measuring 13650 sq. ft. situated at Bishop Rockey Street, Faizabad Road, P. H. Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 5285 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th April, 1981

Ref. No. F. No. 10948/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 14/25/1, Senganur Village at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Document No. 2877/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. Venkatesh,
S/o Shri J. Ramakrishnaiah,
Krisik Printers,
Lalbaugh Front Road,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri R. Dharmodaran,
S/o Shri Neerkondar,
V. Ramakrishna Naidu,
No. 17, Dhanu Nagar,
Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at Dr. No. 14/25/1 & T. S. No. 11, Senganur Village—Document No. 2877/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. P. Jayalakshmi,
W/o Shri G. Paneerselvam Naidu,
Puthupulayam,
(Udumalpet Taluk)

(Transferor)

(2) Shri R. Damotharan,
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
No. 411, Vysial Street,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 10943/80.—Whereas, I, MRS. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 15/104, Bharati Park Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO-II, Coimbatore-1 (Document No. 2978/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building T. S. No. 12/95-97/2 and Door No. 15/104, Bharathi Park Road, Comimbatore—Document No. 2978/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1981
Seal :

FORM PINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 10950/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-A, Bharathi Park Road, situated at Coimbatore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 2922/80) on 21-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

(1) Shri V. S. Thiagarajan,
No. 20, Subramaniam Road,
R. S. Puram,
Coimbatore-641002.

(Transferor)

(2) Smt. Sathyavathi Muthu,
W/o Shri C. Muthu,
Professor, Sri Avanishilingam College,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land & building at 16-A, Bharathi Park Road, Coimbatore—Document No. 2922/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 8-4-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 1549/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, Maharaja Surya Rao Road, situated at Alwarpet, Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras South (Document No. 1549/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. Jayachandran,
2. Shri N. Venkataraman,
No. 5, Venus Colony,
Madras-18.
- 3. Shri V. Chandrasekharan,
No. 3, First Street,
Chidambaram Colony,
Tuticorin.
- 4. Shri K. Rajagopalan,
alias Ramesh,
Sathamangalam Colony,
Madurai.
- 5. Shri M. Subramanian,
No. 33, Maharaja Surya Rao Road,
Madras-18. (Transferors)

- (2) 1. Shri C. H. Krishna Murthy Rao,
2. Smt. K. Padma,
No. 24, Kasturiranga Iyengar Road,
Madras-18. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and buildings bearing Dr. No. 33, Maharaja Surya Rao Road, Alwarpet, Madras-18—Document No. 1549/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras,

Date : 8-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Aditi Products,
Zampa Bazar,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Director of "Ma-Darshan" Apartment Pvt. Ltd.
1. Shri Kishore Magantal Shah;
2. Shri Indrajit Dhirajlal Hansoti;
Ratanshankar Master Pole,
Ambaji Road,
Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1104/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 10/783 situated at Ambaji Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 5-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 10/783, Ambaji Road, Surat duly registered on 5-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date : 7-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 7th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1105/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Nondh No. 4067, 4068, situated at Navapura, Lad Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | |
|--|
| <p>(1) 1. Shri Babul Ranchhoddas;
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
2. Kirtikumar Babul
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
3. Anilkumar Babul
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
4. Rasikchandra Dhirajlal Hansoti;
B. No. C, 2nd Floor, Anupam Apartment,
Bhaga Talav,
Surat.
5. Gangaram Kikabhai Modi;
Annie Besant Road, Surat. (Transferors)</p> |
| <p>(2) 1. Shri Kishorchandra Maganlal Shah;
Director of "Ma-Kripa" Apartment;
1/380, Soni Falia, Surat.
2. Shri Bhupendrakumar Yashvantil Chetania;
Navapura, Kara Road,
Surat. (Transferees)</p> |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property situated at Navapura, Lad Sheri, "Ma-kripa Apartment" Wd. No. 3, Surat duly registered on 5-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-4-1981
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Ambaram Nagindas, self and the capacity of Karta & Manager of family, Karannagar Society, Adajan Patia, Surat.
 2. Shri Harivadan Ambaram; self and guardian of minor Hemant Kumar Harivadan.
 3. Shri Pravinchandra Ambaram;
 4. Shri Bhagwandas Premchand;
 5. Shri Manharlal Bhagwandas Chawala;
 6. Shri Bharatkumar Shagwandas Chawala;
 7. Shri Bipinchandra Bhagwandas Chawala;
 8. Shri Ratilal Premchand Chawala;
 9. Shri Jagdishkumar Ratilal Chawala;
 10. Shri Suresh Ratilal Chawala;
 11. Shri Chhabildas Premchand Chawala;
 12. Kamlaiben Premchand;
 13. Daliben Premchandbhai Chawala;
 14. Ramanben Premchand Chawala;
 15. Shri Shantilal Maganlal;
 16. Shri Bhadreshchandra Shantilal
 17. Saraswatiaben Maganlal
 18. Kusumben Maganlal
 19. Kalavatiben Maganlal. (Transferors)

- (2) 1. Shri Navinchandra Uttamram Golwala;
 2. Shri Pankaj Uttamram Golwala;
 3. Minaxi Rajendrakumar; Navapura, Ghanchi Sheri, Surat. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 175, Wd. No. 3, Ghanchi Sheri, Navapura, Surat duly registered on 16-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-4-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Gamanben Rangildas Khandwala;
Khandwala Sheri, Wadi Falia,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Satishchandra Jayantilal Shah;
Shri Rajendra Jayantilal Shah;
8/1529, Copipura, Main Road, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1107/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Wd. No. 13, Athwa R. S. No. 7, Paiki Plot No. 2 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-8-1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Athwa, R. S. No. 7, paiki land Plot No. 2, duly registered at Surat.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-4-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 13th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1108/Acq./23-II/81-82.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2862, Wd. No. 2, Mali Falia situated at Sagrampura Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 29-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jeliben
Wd/o Bhilal Nathubhai;
Urfe—Thakorbhai Bhikhabhai;
Mali Falia, Sagrampura,
Kshetrapal Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Mohammad Salim Abdul Hamid,
Luhar Sheri, Sagrampura, Surat.
2. Jenbibi
w/o Noorbeg Rasulbeg Mirza,
Luhar Sheri,
Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2862, Wd. No. 2, Sagrampura, Surat duly registered at Surat.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1109/Acq./23-JI/81-82.—Whereas, I,
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 264/2 situated at Kalol

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalol on 8-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Patel Avalben, wd/o Lallubhai, Kalol.
2. Dahiben Mangabhai Patel, Unava, Gandhinagar.
3. Savaben Mangabhai Patel, Zhundal, Gandhinagar.
4. Shardaben Mangabhai Patel, Unava, Gandhinagar.
5. Kantaben Mangabhai Patel, Unava, Gandhinagar.
6. Indiraben Mangabhai Patel, Unava, Gandhinagar.
7. Vidyaben Magabhai Patel, Zhundal, Gandhinagar.

(Transferor)

- (2) Narnarayan Coop. Housing Society Ltd., C/o Kantibhai Kachrabhai Patel; Bindusagar Society, Near Shreyas, Opp. Rly. Station, Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Kalol S. No. 264/2, situated near Bindusagar Coop. Housing Society Ltd., Kalol and as fully described as per sale deed No. 1163 registered in the office of Sub-Registrar, Kalol on 8-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 11-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1355/Acq./23-J/81-82.—Whereas, I,
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N. Plot No. 1130, situated at Aji Industrial Area, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Laxmi Foudry & Co.
through Partners :
1. Chanabhai Devshibhai;
2. Kishorbhai Chanabhai;
Amrut Bhuvan, Punit Society, Rajkot.
(Transferor)

(2) M/s. Kesar Engineering Works;
Ramkrupa Building-80 Road,
Ajivasahat, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 1000 sq. yds. bearing Plot No. 1130, situated at Ajivasahat, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 748, dated 22-8-80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Soni Mukundrai Bhagvanji Adeshara;
Kotak Sheri No. 4,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Soni Chimanlal Vallabhdas Patadia;
Soni Sureshkumar Vallabhdas Patadia;
7-8, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1356/Acq./23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 116 of Vardhaman Nagar situated at Palace Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 19-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A double storeyed building standing on land 109-7-0 sq. yds bearing Plot No. 116 of Vardhmannagar, situated at Palace Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5043, dated 19-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1981

Seal :

